राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 08 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-199 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चौथी बार हॉकी एशिया कप का ख़िताब भारत के नाम, साउथ कोरिया को 4-1 से फाइनल हराया, वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई किया

राजगीर ।

भारत ने पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से फाइनल हराया। भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता। इस जीत के साथ भारत ने 2026 के वर्ल्ड कप में भी जगह बना ली। भारत से फाइनल मैच के पहले ही मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दाग दिया था। दूसरे क्वार्टर में फिर दिलप्रीत सिंह ने गोल दागा और भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दिलप्रीत ने एक और गोल किया। चौथे क्वार्टर में अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और भारत को 4-0 से आगे कर दिया। साउथ कोरिया से सोन डायन ने इकलौता गोल किया। टीम इंडिया ने 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया को फाइनल हराकर चौथी बार टाइटल जीता।

पहला कॉलम

मानसून सीजन हिमाचल प्रदेश के लिए बना अभिशाप

350 से अधिक लोगों की मौत, 4.07 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन (24 जुलाई से लेकर 7 अगस्त) तक बारिश-बाढ़, लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य सरकार को 4 लाख करोड़ की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। शिमला में 116 प्रतिशत और कुल्लू में 113 प्रतिशत बारिश हुई, जो सामान्य से दोगुनी है। पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 3 दिन बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन लुधियाना का ससराली बांध टूटने का खतरा बना हुआ है जो सतलुज नदी पर बना है। इस पर बनाया रिंग बांध भी कटने लगा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के नौगांव में शनिवार शाम को बादल फटा। बाजार और कई घरों में पानी-मलबा घुस गया। सडक़ पर खड़ी कई गाडिय़ां भी बह गईं। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी शहर से 1 किमी दूर तक पहुंच गई है। घाट किनारे के आश्रमों में 5 फीट तक पानी भरा है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पानी में डूबा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और समानता, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे के उनके दृष्टिकोण की सराहना की, जो पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, श्री नारायण गुरु की जयंती पर, हम उनके दृष्टिकोण और हमारे सामाजिक व आध्यात्मिक परिदृश्य पर उनके प्रभाव को याद करते हैं। समानता, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे की उनकी शिक्षाएँ व्यापक रूप से गूंजती हैं। सामाजिक सुधार और शिक्षा को बढ़ावा देने का उनका आह्वान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

9 साल बाद मायावती करेंगी शक्ति प्रदर्शन

-लखनऊ में रिकॉर्ड भीड़ बुलाने की तैयारी

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव से पहले बसपा प्रमुख मायावती शक्ति प्रदर्शन करेंगी। यह शक्ति 9 अक्टूबर को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर होगा। इस दिन कांशीराम स्मारक स्थल पर एक बड़ी रैली होगी। इसमें खुद मायावती शामिल होंगी। पार्टी ने इसमें 3 लाख की भीड़ जुटाने का लक्ष्य तय किया है। रविवार को मायावती ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर समीक्षा बैठक की। इसमें सतीश चंद्र मिश्रा, विधायक उमाशंकर सिंह, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सहित सभी मंडल और जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। इस बैठक में रैली की तैयारियों पर चर्चा हुई। विधायक उमाशंकर सिंह ने बताया- यह रैली ऐतिहासिक होगी। इसमें प्रदेश से बहुजन समाज की ऐतिहासिक भीड़ आएगी, जो अब तक के सभी रिकार्ड ध्वस्त कर देगी। मायावती की बैठक में भतीजे आकाश और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ शामिल नहीं हुए। हालांकि, इसकी वजह सामने नहीं आई है। बसपा की लखनऊ में आखिरी बड़ी रैली 9 अक्टूबर 2016 यानी 9 साल पहले हुई थी। इस रैली में एक लाख की भीड़ कांशीराम स्मारक स्थल पर उमड़ी थी। तब भगदड़ मचने से 3 लोगों की मौत और कई लोग घायल हुए थे। मायावती की इस घोषणा के बाद मौके पर कार्यकर्ताओं ने नारे भी लगाए- रैली नहीं रेला होगा, बसपा का मेला होगा।

पंजाब में बाढ़ से मची तबाही: प्रकृति ने दी गहरी चोट दशकों में भी नहीं हो पाएगी भरपाई

चंडीगढ़, ।

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ ने राज्य की हरी चादर को बर्बाद कर दिया है। वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 776 हेक्टेयर क्षेत्रफल में करीब 4,94,956 पेड़ बाढ़ की भेंट चढ़ गए हैं। यह नुकसान पिछले 37 सालों में सबसे भीषण माना जा रहा है। पंजाब में महज 1,846 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का केवल 3.7प्रतिशत है। लगभग 83 प्रतिशत ज़मीन खेती के अंतर्गत होने के कारण पहले से ही जंगल बढ़ाने की गुंजाइश बेहद कम है। ऐसे में लाखों पेड़ों का एक साथ बह जाना पंजाब की पर्यावरणीय स्थिति को दशकों पीछे धकेल सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत राज्य वन रिपोर्ट में बताया गया है कि वन विभाग ने अब तक का नुकसान करीब 341.3 लाख रुपये आंका है, जबकि विभागीय इमारतों को हुआ 19.2 लाख रुपये का अतिरिक्त नुकसान मिलाकर कुल नुकसान 360.5 लाख रुपये से अधिक बैठता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि ये शुरुआती आंकड़े हैं, बाढ़ का पानी उतरने के बाद स्थिति और भयावह हो सकती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि हालात सुधरने पर हरे-भरे आवरण को फिर से पटरी पर लाने की विस्तृत योजना तैयार की जाएगी।

इस बीच, बाढ़ का मानव जीवन पर भी कहर जारी है। पंजाब में शुक्रवार और शनिवार के बीच तीन और लोगों की मौत हुई, जिससे यहां मृतकों का आंकड़ा 46 तक पहुंच गया। 48 नए गांव बाढ़ के खतरे में बताए जा रहे हैं। हरियाणा के अंबाला जिले में तंगड़ी नदी में डूबकर 13 वर्षीय बच्चे की मौत ने स्थिति की भयावहता और स्पष्ट कर दी। विशेषज्ञों का मानना है कि पंजाब पहले ही देश के उन राज्यों में शामिल है जहां वन क्षेत्र सबसे कम है, और अब बाढ़ ने राज्य सरकार की पौधारोपण योजनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है। इसका असर पर्यावरणीय संतुलन बहाल करने की कोशिशों पर लंबे समय तक पड़ेगा। वहीं हिमाचल प्रदेश में हालात और भी गंभीर हैं। यहां अब तक 366 लोगों की मौत हो चुकी है और 41 लोग अब भी लापता हैं। कुल्लू में भूस्खलन के मलबे में दो लापता व्यक्तियों की तलाश तीसरे दिन भी जारी रही। हालांकि मौसम में कुछ सुधार हुआ है, जिससे राहत और बचाव कार्यों में तेजी आई है।

पंजाब और हिमाचल में प्रकृति का यह कहर साफ संकेत देता है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने की कितनी बड़ी कीमत इंसानों और प्रकृति दोनों को चुकानी पड़ रही है।

भारत के डोभाल ने की ईरानी एनएसए से बात, व्यापार, सुरक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर की चर्चा

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने ईरान के एनएसए अली लारीजानी से बातचीत की। इन अधिकारियों के बीच भारत और ईरान के बीच व्यापार, रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही चाबहार पोर्ट को लेकर कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी बात हुई। माना जा रहा है कि दोनों अधिकारी जल्द ही द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने को लेकर जल्द ही मिल सकते हैं। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच, भारत लगातार यह कहता रहा है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए किया जाना चाहिए। भारत का मानना है कि ईरान को परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण इस्तेमाल का अधिकार है और साथ ही ईरान की कानूनी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप एक विशेष रूप से शांतिपूर्ण ईरानी परमाणु कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गहरी रुचि भी है। चाबहार पोर्ट ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है, जिसे भारत और ईरान मिलकर तैयार कर रहे हैं। खासकर अफगानिस्तान और मध्य एशिया के साथ यह पोर्ट कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अहम है। हालांकि अमेरिकी पाबंदियों के कारण चाबहार प्रोजेक्ट पर अनिश्चितता बनी हुई है। इसके बावजूद भारत ने इस स्ट्रैटजिक पोर्ट को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए वैकल्पिक रूट के तौर पर मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह सहयोग भारत-ईरान संबंधों को गहरा करने और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में बेहद अहम है। चाबहार पोर्ट के विकास में भारत की भागीदारी से उसे अफगानिस्तान में एक वैकल्पिक और विश्वसनीय रास्ता मिल जाएगा। इसमें भारतीय मदद से अफगानिस्तान में निर्मित जरंज-डेलाराम सड़क का उपयोग किया जा सकता है, और साथ ही मध्य एशियाई क्षेत्र में एक विश्वसनीय और अधिक सीधा समुद्री मार्ग भी उपलब्ध है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और अफगानिस्तान के बीच आने-जाने और व्यापार के लिए सीधे कोई सड़क मार्ग नहीं है। बता दें इससे पहले मई में भी अजीत डोभाल ने अपने ईरानी समकक्ष के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। तब दोनों के बीच तत्कालीन क्षेत्रीय स्थिति और चाबहार बंदरगाह परियोजना पर चर्चा हुई थी। उस दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पर भी बातचीत हुई थी।

बंगाल की खाड़ी से उठ रही तबाही, ओडिशा से बिहार तक बारिश ही बारिश

नई दिल्ली।

सितंबर महीने में भी बारिश से राहत मिलती नहीं दिख रही है। मौसम विभाग ने रविवार को गुजरात और पश्चिमी राजस्थान में भारी बारिश की चेतावनी जारी किया है। मौसम विभाग ने गुजरात और राजस्थान में भारी बारिश को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, कोंकण, गोवा पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग ने बताया कि ओडिशा और आंध्र प्रदेश से सटे बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बन रहा है, जिसकी वजह से तटीय इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसका असर बंगाल, बिहार से लेकर दिल्ली तक हो सकती है। कश्मीर से लेकर पंजाब, गुजरात और दिल्ली तक राज्य बाढ़ पहले से ही प्रभावित हैं। इधर पहाड़ों पर बादल फटने तो मैदानी हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ ने जमकर तबाही मचाई है। दिल्ली-एनसीआर भी बाढ़ की चपेट में है। दिल्ली के कई निचली इलाके बाढ़ग्रस्त है। यमुना के बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों में घुस गए हैं। हालांकि, शनिवार से यमुना के जलस्तर में कमी आनी शुरू हो गई है। पंजाब में भारी बाढ़ से त्राहिमाम मचा हुआ है। मौसम विभाग ने गुजरात में एक साथ 4 मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने की संभावना जताई है। इसकी वजह से आज भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग वे आज राज्य के 5 ज़िलों बनासकांठा, साबरकांठा, अरवल्ली, महेसाणा और कच्छ में अति भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा, पाटण, गांधीनगर, महीसागर, मोरबी, राजकोट और सुरेन्द्रनगर में

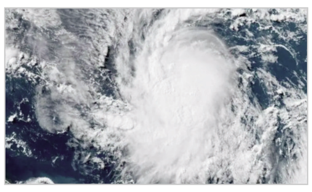

बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राज्य के 15 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन अलर्ट पर है। संभावित स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात हैं।

भारत का अशोक स्तंभ सिर्फ बिहार के सम्राट अशोक का स्तंभ नहीं है

गिरिराज बोले- राहुल गांधी बिहार को कितनी बार अपमानित करेंगे?

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देश को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर देश राहुल गांधी के इशारे पर चलेगा, तो बर्बाद हो जाएगा। राहुल गांधी विदेश जाकर देश का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी, तेजस्वी और लालू यादव से पूछना चाहता हूं कि आखिर वे बिहार को कितनी बार अपमानित करेंगे? एसआईआर को लेकर सीएम स्टालिन से अभद्र टिप्पणी करवाई गई। सीएम रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए पर सवाल उठाए और राहुल गांधी ने कश्मीर में क्या करवा दिया? कश्मीर में राहुल गांधी और फारुक अब्दुल्ला की सरकार है। भारत का अशोक स्तंभ सिर्फ बिहार के सम्राट अशोक का स्तंभ नहीं है। इसे संविधान और पूरे देश ने अपनाया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर से लेकर केरल और बिहार तक अभद्र बातें कही गई और अब वे अशोक सम्राट पर आ गए हैं। राहुल गांधी ने हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कही थी, लेकिन अंत में बीड़ी बम फोड़ा। कांग्रेस ने बिहारियों की तुलना बीड़ी बम से की, लेकिन ये बीड़ी बम ही उनका हाइड्रोजन बम था। गिरिराज ने तेजस्वी यादव से कांग्रेस गठबंधन से अलग होने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार का समर्थन करते हैं, तो तेजस्वी को कांग्रेस से अलग होना चाहिए।

जीएसटी में बदलाव से खेती की लागत कम होगी, किसानों का बढ़ेगा मुनाफा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जीएसटी सुधारों के गिनाए लाभ

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश दौरे में पत्रकारों से बातचीत में जीएसटी को लेकर कहा कि जीएसटी सुधारों का कृषि क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे छोटे और मध्यम किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में कमी से खेती की लागत कम होगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

चौहान ने कहा कि जैव-कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर जीएसटी कम किया गया है, जिससे किसानों को फायदा होगा। साथ ही रासायनिक उर्वरकों से जैव-उर्वरकों की ओर किसानों का रुझान बढ़ेगा। डेयरी क्षेत्र में दूध और पनीर पर अब जीएसटी नहीं लगेगा, जिससे न केवल आम जनता को लाभ होगा, बल्कि किसानों, पशुपालकों और दूध उत्पादकों को भी फायदा होगा। उनहोंने कहा कि पीएम मोदी और सरकार यह तय करने की कोशिश कर रही है कि आम जनता को कोई परेशानी न हो। कृषि मंत्री ने पीएम को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारा संकल्प है कि कृषि में उत्पादन लागत कम हो और उत्पादन बढ़े। इससे किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

चौहान ने कहा कि जीएसटी सुधारों से किसानों को कई लाभ होंगे। कुछ कंपनियों ने इसकी शुरुआत कर दी है। कृषि उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और रोटावेटर पर जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। उदाहरण के तौर पर 9 लाख रुपए का ट्रैक्टर अब 65,000 रुपए सस्ता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किसानों की जोत छोटी है। इसलिए हम एकीकृत खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि किसान खेती के साथ-साथ संबद्ध क्षेत्रों में भी काम कर सकें। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में मक्खन, घी और दूध के डिब्बों पर भी जीएसटी कम किया गया है, जिससे स्वदेशी उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी और डेयरी क्षेत्र को प्रगति मिलेगी।

उनहोंने कहा कि 12 जैविक कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर भी जीएसटी कम किया गया है। उर्वरकों के कच्चे माल जैसे अमोनिया, सल्फ्यूरिक एसिड

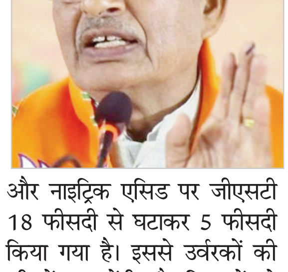

और नाइट्रिक एसिड पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। इससे उर्वरकों की कीमतें कम होंगी और किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

मातृत्व का अपमानः बिहार की राजनीति पर असर

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ. आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले है। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मयार्दा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की माताजी के संबंध में कांग्रेस और राजद के मंच से जो अभद्र व अशालीन शब्द कहे गए, उसने न केवल राजनीतिक वातावरण को कलंकित किया है, बल्कि पूरे देश की संवेदनाओं को भी आहत किया है। भारत में माँ केवल एक परिवार की सदस्य नहीं होती, वह मातृत्व का प्रतीक है, करुणा और संस्कार की धारा है, जीवन की प्रथम शिक्षिका है। किसी भी माँ के लिए अपमानजनक टिप्पणी वस्तुतः संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। इसलिए जब किसी दल के नेता राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते प्रधानमंत्री की माताजी को अपशब्द कहते हैं, तो यह प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि हर उस भारतीय पर चोट करता है, जिसने अपनी माँ को श्रद्धा और सम्मान के उच्चतम स्थान पर रखा है, यह भारतीय संस्कृति एवं तहजीब का भी अपमान है। यही कारण है कि यह घटना केवल राजनीतिक विवाद नहीं रही, यह एक सामाजिक-नैतिक प्रश्न बन गई है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ. आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले है। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मयार्दा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने राजनीतिक मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊजार्वान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। परंतु आलोचना और अभद्रता में बहुत बड़ा अंतर है। जब राजनीतिक संवाद विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों से हटकर व्यक्तिगत और पारिवारिक अपमान तक पहुँच जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा पर आघात होता है। विपक्ष को सरकार की योजनाओं, उसकी कमियों या विफलताओं पर सवाल उठाने चाहिए, लेकिन यदि वे प्रधानमंत्री की माँ को निशाना बनाएंगे, तो जनता इसे राजनीतिक परिपक्वता की कमी, विकृत राजनीति और हताशा का प्रतीक ही मानेगी।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाली-गलौज की गई है, तब-तब यह उनके लिए सहानुभूति और समर्थन का कारण बना है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही अनेक अवसर आए, जब कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने मोदी पर अशालीन एवं अभद्र टिप्पणियां की हैं लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब सारी हदें लांघते हुए उन पर राजनीतिक छिद्रान्वेषण से हटकर व्यक्तिगत हमले कर-के, उनकी पृष्ठभूमि और उनके परिवार को लेकर अपमानजनक शब्द कह कर राजनीतिक मयार्दाओं का हनन किया है। लेकिन हर बार जनता ने इसका उत्तर मोदी के पक्ष में समर्थन देकर दिया। 2019 के आम चुनाव में भी जब अपशब्दों की बाढ़ आई, तो मोदी और भी सशक्त होकर सामने आए। जनता ने मानो यह संदेश दे दिया कि जो व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत गरिमा और पारिवारिक मयार्दा का स्वयं उत्तर नहीं देता, बल्कि मौन रहकर केवल अपने राष्ट्र विकास के कार्यों से जवाब देता है, वही उनकी सहानुभूति का अधिकारी है। यही कारण है कि मोदी पर गाली की हर चोट उनके समर्थन को और व्यापक बना देती है। मोदी को कोई भी गाली कभी भी कमजोर नही कर सकती।

भारतीय मतदाता भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह केवल तर्क और आँकड़ों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके निर्णय में संवेदनाएँ और संस्कार भी बराबरी से भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री की माता जी पर की गई टिप्पणी ने इस संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। भारतीय समाज के लिए माँ केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक भी है। इसीलिए जब माँ पर आघात हुआ, तो जनता ने इसे मोदी के परिवार का नहीं बल्कि अपने परिवार का अपमान माना। यह भावनात्मक जुड़ाव विपक्ष की रणनीति को उल्टा कर देता है और मोदी के लिए जनसमर्थन का कारण बन जाता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। एक समय राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को केवल गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। लेकिन आज कांग्रेस मोदी के खिलाफ काफी कुछ बोल चुकी हैं, कभी रावण तो कभी नीच, कातिल, शैतान, मौत का सौदागर जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया है। जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो लम्बी सूची है। चाहे सानिया हो या राहुल, चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम, खडगे और प्रियंका गांधी। इन नेताओं ने बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

बिहार के चुनावी परिदृश्य पर इस घटना का गहरा असर पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों, आर्थिक पिछड़ेपन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों में उलझी हुई है। विपक्ष अपने लिए जगह बनाने के लिए संघर्षरत है, परंतु वह जनता को कोई ठोस और विश्वसनीय विकल्प देने में असफल रहा है। ऐसे में जब उसके नेता अभद्रता पर उतर आते हैं, तो जनता का विश्वास और भी कम हो जाता है। वह सोचने लगती है कि जिन नेताओं के पास शब्दों की गरिमा और तर्क का बल नहीं है, वे शासन और प्रशासन की मयार्दा कैसे संभालेंगे? इसीलिए बिहार की जनता ऐसी अभद्रता का समर्थन नहीं करेगी और इसका सीधा असर विपक्ष की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। यह भी एक गहन प्रश्न है कि विपक्ष आखिर किस हद तक गिरेगा? क्या लोकतंत्र अब केवल गाली-गलौज और व्यक्तिगत अपमान तक सीमित रह जाएगा? क्या राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की जगह अब विकारों और अशालीनता ने ले ली है? यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। प्रधानमंत्री मोदी पर गाली-गलौज की हर घटना उनके व्यक्तित्व को और दृढ़ बनाती है। वे स्वयं बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें जितनी गालियाँ मिलेंगी, वे उतनी ही शक्ति से देश सेवा में लगेंगे। उनके इस धैर्य और संयम ने उन्हें जनता के बीच एक अलग पहचान दी है। जनता यह अनुभव करती है कि जो व्यक्ति व्यक्तिगत अपमान को भी सह लेता है, लेकिन जनता की सेवा से विचलित नहीं होता, वही सच्चा नेतृत्वकर्ता है। यही कारण है कि उनके विरोधियों की अभद्रता अंततः उन्हीं पर भारी पड़ती है। विपक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सफलता केवल आलोचना से नहीं मिलती, बल्कि वैकल्पिक नीतियों और रचनात्मक दृष्टि से मिलती है। केवल मोदी विरोध करना ही राजनीति का उद्देश्य नहीं हो सकता। जनता को चाहिए कि विपक्ष विकास की कोई ठोस योजना प्रस्तुत करे, रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारने का मार्ग दिखाए, स्वास्थ्य और किसान समस्याओं पर गंभीरता से बात करे। यदि वे यह सब नहीं कर सकते और केवल गाली-गलौज की राजनीति करेंगे, तो उनका हश्र वही होगा जो बार-बार होता आया है। जनता उन्हें नकार देगी और उनके अपशब्द मोदी के लिए समर्थन की नई ऊर्जा बनेंगे। यदि विपक्ष अपनी भाषा और व्यवहार पर संयम नहीं रखेगा, तो न केवल उसकी साख गिरेगी बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी आहत होगी।

संपादकीय

जीएसटी में सुधार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों (जीएसटी 2.0) को राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि को 'दोहरी खुराक' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की श्रृंखला अब नहीं थमेगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथसंवाद के दौरान कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले देशवासियों को 'दोहरा धमाका' मिलेगा। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की बुधवार को हुई बैठक में अब से सिर्फ पांच और 18 फीसद की दो कर दरें रखने का फैसला किया गया जबकि विलासिता एवं अहितकर उत्पादों को 40 फीसद के दायरे में रखा गया है। जीएसटी में यह राहत 22 सितम्बर से मिलना शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों की जेब में अधिक पैसा बचे और उनका जीवन बेहतर बने। दावा किया जा रहा है कि नये सुधारों से कर प्रणाली सरल होगी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, खपत एवं वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, कारोबारी सुगमता बढ़ेगी जिससे निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद को मजबूती मिलेगी। हालांकि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने दावा किया है कि इसे लागू करने में देर हो गई है। हालांकि नये सुधारों का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन इस तरफ ध्यान जरूर खींचा जा रहा है कि जीएसटी का मौजूदा ड़िजाइन और कई दरें होनी ही नहीं चाहिए थीं। कांग्रेस का कहना है कि उसने 2019 और 2024 के लोक सभा चुनावों के अपने घोषणापत्र में तर्कसंगत कर व्यवस्था के साथ जीएसटी 2.0 की मांग की थी, लेकिन मोदी सरकार ने एक राष्ट्र, एक कर को एक राष्ट्र, नौ कर बना दिया। बहरहाल, जीएसटी में नये सुधार के खिलाफ बोलने के लिए विपक्ष के पास कुछ ज्यादा नहीं है। सच तो यह है कि विपक्ष दुविधा में है कि जीएसटी में बदलाव पर क्या कहे। कर सरलीकरण के लिहाज से ही नहीं, बल्कि ट्रंप टैरिफ के असर को कम करने के मद्देनजर भी यह सुधार जरूरी था। निर्यात मोर्चे पर भारतीय उत्पादों को ट्रंप टैरिफ के चलते झटका मिलना तय है। घरेलू मांग को मजबूत बनाए रख कर ट्रंप टैरिफ के असर को कम से कम किया जा सकता है। जीएसटी में यह सुधार यकीनन आर्थिक तकाजों को पूरा करने वाला स्वागतयोग्य कदम कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है...

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसः आखिर कब साकार होगा पूर्ण साक्षर भारत का सपना?

योगेश कुमार गोयल

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशन... दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 59वां 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना', जो संचार को बेहतर बनाने और विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। पिछले साल साक्षरता दिवस 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सामयिक : चेतावनी है अफगान में आया भूकंप

प्रमोद भार्गव

31 अगस्त, 2025 की मध्य रात्रि के बाद पूर्वी अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता के भूकंप ने त्रासदी रच दी। करीब 1400 लोग काल के गाल में समा गए और 3000 से ज्यादा लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर जलालाबाद नगर से 27 किमी. पूर्व में था। इसकी गहराई मात्र 8 से 10 किमी. थी। भूकंप से कई गांव पूरी तरह मलबे में दब कर बर्बाद हो गए। सबसे अधिक तबाही नंगरहार में हुई है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी इसे 6.0 तीव्रता का उथला भूकंप बताया है। उथले भूकंप गर्भ से भूमि की सतह पर फूटने के साथ भीषण बबार्दी का कारण बनते हैं। अफगानिस्तान में भूकंपों का आना लगा रहता है। 1998 में आए भूकंप में 7,500 लोग मारे गए थे, वहीं मार्च, 2002 में हिंदूकुश में 1000, हिंदूकुश में ही 2015 में 399, खोस्त में 2022 में 1000 और हैरात में 2023 में 6.3 तीव्रता के आए भूकंप के 2000 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

अफगानिस्तान हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला में है, जहां यूरोएशियन परत, अरेबियन परत और इंडियन परत के परस्पर टकराव से भूकंप आते हैं। यहां प्रति वर्ष 100 से ज्यादा भूकंप आते हैं, लेकिन 6.0 तीव्रता के ऊपर का भूकंप असाधारण होता है। नंगरहार और कुनार पूर्वी प्रांत पाकिस्तान सीमा पर हैं। जहां दोष रेखाएं (फॉल्ट लाइंस) सक्रिय हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते पूरे क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा भी मंडरा रहा है। इस कारण इस भूकंप से नुकसान कहीं अधिक हुआ है।

दरअसल, दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविद् की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि मानवीय हस्तक्षेप से विकराल बन जाते हैं। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार होती है। भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका रहती थी, लेकिन अब घट कर 4 साल रह गई है। भूकंपों के वैज्ञानिक आकलन से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा बढ़ी है।

जापान और फिर क्वोटो में सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं। भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। बावजूद हैरानी इस पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक ऐसी तकनीक ईजाद नहीं कर पाए हैं, जिससे भूकंप की जानकारी पहले मिल जाए।

वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गई और वे यूरेशिया परत से जा टकराई। फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकरा कर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं।

कुछ भूकंप धरती की सतह से 100 से 650 किमी. के नीचे से भी आते हैं, लेकिन इनकी तीव्रता धरती की सतह पर आते-आते कम हो जाती है, इसलिए बड़े रूप में त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। दरअसल, इतनी गहराई में धरती इतनी गर्म होती है कि एक तरह से वह द्रव रूप में बदल जाती है। इसलिए इसके झटकों का असर धरती पर कम ही दिखाई देता है। बावजूद इन

भूकंपों से ऊर्जा बड़ी मात्रा में निकलती है। धरती की इतनी गहराई से प्रगट हुआ सबसे बड़ा भूकंप 1994 में बोलिविया में रिकॉर्ड किया गया है। पृथ्वी की सतह से 600 किमी. भीतर दर्ज इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.3 मापी गई थी। इसीलिए यह मान्यता बनी है कि इतनी गहराई से चले भूकंप धरती पर तबाही मचाने में कामयाब नहीं हो सकते क्योंकि चट्टानें तरल द्रव्य के रूप में बदल जाती हैं।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ योजना- सुरक्षित और लाभकारी बचत का विकल्प

- हर साल 50,000 रुपये बचाइए

नई दिल्ली । पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक सुरक्षित बचत योजना है। इस पर वर्तमान में 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज मिलता है, जो निवेशकों के लिए आकर्षक रिटर्न प्रदान करता है। पीपीएफ खाते में न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना जमा किए जा सकते हैं। खाता 15 साल की अवधि में मैच्योर होता है, जिसे 5-5 साल की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। यदि आप हर साल 50,000 रुपये जमा करते हैं, तो 15 साल बाद कुल राशि लगभग 13,56,070 रुपये बनती है, जिसमें आपकी जमा राशि और ब्याज दोनों शामिल हैं। पीपीएफ खाते में आपातकालीन जरूरतों के लिए लोन भी लिया जा सकता है। निकासी 5 साल पूरे होने के बाद ही संभव है, हालांकि कुछ विशेष परिस्थितियों में पहले भी निकासी की अनुमति है। यह योजना सरकार द्वारा समर्थित है, इसलिए यह पूरी तरह सुरक्षित है। अगर सालाना न्यूनतम जमा नहीं किया गया तो जुर्माना देकर खाता सक्रिय कराया जा सकता है।

भारत-चीन संबंधों में नरमी से शेयर बाजार को राहत

टैक्स कटौती और ब्याज दरों की उम्मीद से निवेशकों में भरोसा

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच रिश्तों में नरमी का असर भारतीय शेयर बाजार पर सकारात्मक रूप में देखा जा रहा है। 31 अगस्त को चीन के तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच प्रतीकात्मक हैंडशेक और बातचीत से निवेशकों में उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में अब सुधार संभव है। मुलाकात के दौरान सीमा विवाद, सीधी उड़ानों की बहाली और व्यापार बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने प्रतिद्वंद्विता के बजाय सहयोग को प्राथमिकता देने पर सहमति जताई। जानकारों का मानना है कि इससे भारत को निवेश, तकनीक और चीन की क्लीन एनर्जी सप्लाई चेन तक पहुंच के नए अवसर मिल सकते हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में की गई टैक्स कटौती और भारतीय रिजर्व बैंक की संभावित ब्याज दरों में कटौती ने भी शेयर बाजार को मजबूती दी है। इन कदमों से अमेरिकी टैरिफ और कमजोर तिमाही नतीजों के असर को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। वर्तमान में निफ्टी 50 इस साल अब तक सिर्फ 4.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स 19 फीसदी ऊपर है। विदेशी निवेशक अब तक भारतीय शेयरों से 16 अरब डॉलर की निकासी कर चुके हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत-चीन रिश्तों में सुधार से भारत की उभरते बाजारों में हिस्सेदारी को फिर से मजबूत किया जा सकता है। हालांकि भारत-चीन व्यापार संतुलन अब भी भारत के खिलाफ है, लेकिन यह नरमी आर्थिक दृष्टिकोण से एक नई शुरुआत का संकेत हो सकती है।

जीएसटी काउंसिल ने वाहनों और कृषि उपकरणों पर कर दरों में किए बदलाव

नई दिल्ली । हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने वाहनों और कृषि उपकरणों पर कर दरों में अहम बदलाव किए हैं। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि यह नए नियम 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे। फैसले के तहत छोटे वाहनों, 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों, तीन पहिया वाहनों, बसों, ट्रकों और एम्बुलेंस पर जीएसटी 28प्रतिशत से घटाकर 18प्रतिशत कर दिया गया है। इससे मारुति सुजुकी ऑल्टो, हुंडई ग्रैंड आई10 और टाटा टियागो जैसी कारों की कीमतें 10प्रतिशत तक कम हो सकती हैं। इसी तरह, होंडा एक्टिवा, बजाज पल्सर और हीरो स्प्लेंडर जैसी लोकप्रिय टू-व्हीलर भी सस्ती हो जाएंगी। ऑटो पार्ट्स पर अब 18प्रतिशत की एक समान दर लागू होगी, जिससे इंडस्ट्री को राहत मिलेगी। छोटे हाइब्रिड वाहनों को भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। किसानों को ध्यान में रखते हुए ट्रैक्टर और हार्वेस्टर समेत कई कृषि उपकरणों पर जीएसटी 12प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत कर दिया गया है। इससे उत्पादन लागत घटने की उम्मीद है।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.06 लाख करोड़ बढ़ा

- बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात कंपे नियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,06,250.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक लाभ बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज में हुआ। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 37,960.96 करोड़ रुपये बढ़कर 5,83,451.27 करोड़ रुपये हो गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 23,343.51 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 18,59,767.71 करोड़ रुपये पर पहुंचा। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,580.42 करोड़ रुपये बढ़कर 14,78,444.32 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी का मूल्यांकन भी 15,559.49 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 5,54,607.42 करोड़ रुपये पहुंचा। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्य 4,246.09 करोड़ रुपये बढ़कर 7,44,864.69 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में भी क्रमशः 4,134.02 करोड़ और 3,426.46 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्य 13,007.02 करोड़ रुपये घटकर 11,02,955.89 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,427.47 करोड़ रुपये गिरकर 6,00,036.47 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत भी 6,296.91 करोड़ रुपये घटकर 6,18,694.37 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर कायम रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी की स्थिति बनी रही।

सरकार ने तय किए 42 जीवनरक्षक दवाओं के खुदरा दाम

नई दिल्ली । राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें तय कर दी हैं। इनमें ज़ाइडस हेल्थकेयर की मेरोपीनम एंड सलबेक्टम इंजेक्शन की कीमत 1938.59 प्रति वायल और इप्का लेबोरेट्रीज़ की मायकोफेनोलेट माफे टिल टेबलेट की कीमत 131.58 प्रति टैबलेट तय की गई है। ये दवाएं गंभीर संक्रमण और अंग प्रत्यारोपण के बाद ऑर्गन रिजेक्शन रोकने में इस्तेमाल होती हैं। इसके अलावा, एबॉट हेल्थकेयर की क्ले रिथ्रोमाय सिन ईआर टेबलेट की कीमत 71.71 रुपए प्रति टैबलेट तय की गई है। एनपीपीए ने सभी दवा निर्माताओं को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित मूल्य सूची डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को सौंपें। साथ ही, सभी रिटेलरों और ऑनलाइन फार्मेसियों को यह सूची सार्वजनिक और स्पष्ट स्थान पर प्रदर्शित करनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से मरीजों को राहत मिलेगी और दवा विक्रेताओं द्वारा की जाने वाली अनियमित मुनाफाखोरी पर नियंत्रण होगा।

विपक्षी दलों ने भी जीएसटी 2.0 का किया समर्थन

नई दिल्ली ।

विपक्षी दलों ने भी केंद्र सरकार के जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव का समर्थन किया। कांग्रेस ने इसे जीएटी त्रस्ज्ञ 1.5 करार दिया और उम्मीद जताई कि इससे छोटे उद्योगों को राहत मिलेगी। कर्नाटक, केरल, झारखंड जैसे आठ विपक्षी राज्यों ने भी टैक्स दरों में कटौती का समर्थन किया, लेकिन यह भी कहा कि टैक्स राहत का लाभ सीधे आम लोगों तक पहुंचे, इसके लिए निगरानी तंत्र बनाया जाए। अब देश में 12 और 28 फीसदी जैसे टैक्स स्लैब खत्म कर दिए गए हैं। इसके स्थान पर सिर्फ दो मुख्य टैक्स दरें लागू होंगी - 5 और 18 फीसदी। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा। इस बदलाव के बाद मक्खन, चॉकलेट, शैंपू, ट्रैक्टर और एयर कंडीशनर जैसी चीजें सस्ती हो जाएंगी। वहीं कुछ घरेलू उपयोग की वस्तुओं से टैक्स पूरी तरह हटा दिया गया है। राज्यों ने राजस्व में संभावित नुकसान की चिंता तो जताई, लेकिन जनहित को प्राथमिकता दी।

वैश्विक आर्थिक आंकड़ों, विदेशी निवेशकों से तय होगी बाजार की दिशा

- कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर के विनिमय दर की दिशा भी बाजार को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और मुद्रास्फीति के आंकड़ों से निर्धारित होगी। पिछले सप्ताह बेंचमार्क सूचकांक संसेक्स और निफ्टी में अच्छी बढ़त दर्ज की गई, जिससे निवेशकों में सकारात्मक भावना बनी हुई है। बाजार के` विशेषज्ञों बताया कि 12 सितंबर को भारत की मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे, जो बाजार की चाल के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती से बाजार की धारणा में सुधार हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर तेजी आ सकती है। अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति, बेरोजगारी के दावे और उपभोक्ता धारणा के आंकड़े इस सप्ताह प्रमुख रहेंगे। ये आंकड़े अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक (16-17 सितंबर) के फैसले को प्रभावित करेंगे। यूरोपीय केंद्रीय बैंक का ब्याज दर निर्णय और जापान की दूसरी तिमाही की जीडीपी भी निवेशकों की नजरों में होंगे। बाजार के एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि बाजार इस सप्ताह सतर्क लेकिन आशावादी रुख के साथ खुलेगा।

निवेशक विशेष रूप से उपभोग-आधारित और पूंजीगत व्यय-आधारित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर के विनिमय दर की दिशा भी बाजार को प्रभावित करेगी। विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार के लिए यह सप्ताह महत्वपूर्ण है, क्योंकि नीतिगत सुधार और मजबूत आर्थिक आंकड़े बाजार धारणा को बेहतर बना सकते हैं। भारत और अमेरिका की मुद्रास्फीति, यूरोपीय केंद्रीय बैंक का ब्याज दर निर्णय और जापान की जीडीपी प्रमुख आंकड़ों में शामिल हैं। इस सप्ताह के आर्थिक और नीतिगत घटनाक्रम भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

अदाणी समूह 2031-32 तक बिजली क्षेत्र में 60 अरब डॉलर निवेश करेगा

- कंपनी नवीकरणीय ऊर्जा और पारेषण पर दे रही जोर

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह उद्योगपति गौतम अदाणी के नेतृत्व में, अगले दशक में भारत के बिजली क्षेत्र में लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा निवेश करने जा रहा है। यह निवेश विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, उत्पादन तथा पारेषण और वितरण के क्षेत्रों में होगा। समूह की योजना है कि वित्त वर्ष 2029-30 तक नवीकरणीय ऊर्जा में 21 अरब डॉलर का निवेश कर इसकी क्षमता को वर्तमान 14.2 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट तक पहुंचाया जाए। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ग्रिड से जुड़ी सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, निर्माण, संचालन और रखरखाव में प्रमुख भूमिका निभाएगी। भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में चौथे स्थान पर है और 2031-32 तक इसकी कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 571 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है, जिसमें 300 अरब डॉलर से अधिक निवेश के अवसर हैं। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) पारेषण और वितरण नेटवर्क के विस्तार में 17 अरब डॉलर निवेश करेगा। कंपनी 2029-30 तक 30,000 किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन स्थापित करने की योजना बना रही है, जो वर्तमान में 19,200 किलोमीटर है। एईएसएल ट मीटरिंग और शीतलन समाधान जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय है। दाणी पावर वित्त वर्ष 2031-32 तक अपनी तापीय बिजली उत्पादन क्षमता को 17.6

गीगावाट से बढ़ाकर 41.9 गीगावाट तक पहुंचाएगा। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी ताप बिजली उत्पादक कंपनी है, जो कई राज्यों में सक्रिय है। भारत में तापीय बिजली क्षमता 2031-32 तक 309 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें कोयला आधारित 80 गीगावाट अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता होगी।

गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 और झेड फलीप 3 को नहीं मिलेंगे सिक्योरिटी अपडेट्स

नई दिल्ली । दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग ने घोषणा की है कि गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 और गैलेक्सी झेड फलीप 3 स्मार्टफोन को अब से मंथली सिक्योरिटी अपडेट्स नहीं मिलेंगे। इन दोनों फोन्स को अगस्त 2021 में लॉन्च किया गया था और लगभग चार साल तक इन्हें नियमित मंथली अपडेट्स मिलते रहे। अब ये डिवाइस केवल तिमाही यानी हर तीन महीने में सिक्योरिटी पैच प्राप्त करेंगे। हालांकि, कंपनी ने यह भी साफ किया कि यूजर्स को सुरक्षा के मामले में पूरी तरह निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि क्वॉर्टरली अपडेट्स जारी रहेंगे। इस बदलाव के बाद अब गैलेक्सी झेड फोल्ड 4 और गैलेक्सी झेड फलीप 4 सबसे पुराने ऐसे फोल्डेबल होंगे जिन्हें मंथली अपडेट मिलते रहेंगे। सैमसंग ने गैलेक्सी एस-सीरीज की अपडेट लिस्ट में भी बदलाव किया है। अब सिर्फ गैलेक्सी एस20 एफई 4जी, एस20 एफई 5जी, गैलेक्सी एस21 5जी, गैलेक्सी एस21प्लस 5जी और एस21 अल्ट्रा 5जी जैसे मॉडल्स को ही मंथली सिक्योरिटी पैच मिलेगा। बाकी पुराने एस20 सीरीज मॉडल्स इस लिस्ट से बाहर हो गए हैं। गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 में 7.6 इंच का क्यूएक्सजीए प्लस डायनामिक अमोलेड 2एक्स डिस्प्ले और 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट है, जबकि झेड फलीप 3 में 6.7 इंच का फुल-एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले मिलता है।

भारत में मानसून के दौरान कोयला आयात में 16.4 फीसदी की गिरावट

- एक साल पहले सितंबर में कोयला आयात 2.52 करोड़ टन था

नई दिल्ली ।

मानसून के मौसम में सुस्त मांग और स्टॉक की बेहतर उपलब्धता के कारण जुलाई 2025 में भारत का कोयला आयात 16.4 प्रतिशत घटकर 2.10 करोड़ टन रह गया। एक साल पहले इसी महीने यह 2.52 करोड़ टन था। नॉन-कोकिंग कोयले का आयात जुलाई में 1.15 करोड़ टन था, जो पिछले वित्त वर्ष के जुलाई में 1.65 करोड़ टन था। वहीं, कोकिंग कोयले का आयात 58.5 लाख टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) के दौरान भारत का कुल कोयला आयात 9.74 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.04 करोड़ टन था। इस अवधि में नॉन-कोकिंग कोयले का आयात 6.06 करोड़ टन था, जो पिछले साल के 6.56 करोड़ टन से कम है। वहीं कोकिंग कोयले का आयात 2.22 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 2.02 करोड़ टन से अधिक है। 'एमजंक्शन' सर्विसेज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि मानसून के कारण कोयले की मांग सुस्त रही, लेकिन सितंबर के अंत से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में मांग में तेजी आने की उम्मीद है। इससे कोयला आयात में फिर से वृद्धि हो सकती है। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि मानसून के दौरान कोयले की किसी भी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार बिजली सहित विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही, सरकार सतत विकास और कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

टेस्ला ने पहली कार महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री को बेची

नई दिल्ली ।

अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में डिलीवरी शुरू कर दी है। टेस्ला ने अपनी पहली कार महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को बेची है। राज्य के परिवहन मंत्री ने कहा कि कार खरीदने का उनका फैसला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, मैंने नागरिकों, खासकर युवा पीढ़ी के बीच इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए टेस्ला की डिलीवरी ली है। मैं चाहता हूं कि बच्चे इन कारों को कम उम्र से ही देखें और सस्टेनेबल परिवहन के महत्व को समझें। सरनाइक ने कहा कि वह प्रतीकात्मक रूप से अपने पोते को यह गाड़ी उपहार में देंगे। सरनाईक ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में टेस्ला के नए खुले शोरूम से मॉडल वाई की डिलीवरी ली। हालांकि, भारत में टेस्ला के आगमन को लेकर जितनी चर्चा हुई थी, वह उसकी सेल्स में नहीं दिखी है। इस हफ्ते की शुरुआत में आई कई रिपोर्टों के अनुसार, जुलाई के मध्य में बुकिंग शुरू करने के बाद से, कंपनी को केवल 600 से ज्यादा ऑर्डर मिले हैं। वैश्विक स्तर पर, टेस्ला कुछ ही घंटों में इतनी कारें बेच देती है। कंपनी इस साल भारत में 350 से 500 कारें शिप कर सकती है, जिसकी पहली खेप सितंबर की शुरुआत में शंघाई से आ चुकी है। शुरुआत में डिलीवरी मुंबई, दिल्ली, पुणे और गुरुग्राम तक सीमित रहेगी। डिलीवरी के समय सरनाइक ने कहा, भले ही आज लागत थोड़ी ज्यादा हो, लेकिन अधिक महत्वपूर्ण बात सही उदाहरण पेश करना और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना है।

फिजिक्सवाला ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए

- 3,820 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

नोएडा स्थित शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला ने विस्तार और विकास के लिए 3,820 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज (यूडीआरएचपी) दाखिल किए हैं। इसके तहत कंपनी 3,100 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी और प्रवर्तक अलख पांडेय व प्रतीक बूब 720 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे। दोनों प्रवर्तकों के पास कंपनी में लगभग 40.35 फीसीदी हिस्सेदारी है। फिजिक्सवाला ने मार्च में गोपनीय रूप से आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे, जिसे जुलाई में सेबी ने मंजूरी दी। इसके बाद अब अद्यतन दस्तावेज दाखिल कर आरएचपी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जुटाए गए फंड का उपयोग कंपनी नए ऑफलाइन और हाइब्रिड केंद्रों की स्थापना (460.5 करोड़ रुपये) और मौजूदा केंद्रों के पट्टे के भुगतान (548.3 करोड़ रुपये) में करेगी। इसके अलावा, फिजिक्सवाला अपनी अनुषंगी कंपनी ज़ाइलम लर्निंग में 47.2 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। सर्वर और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 200.1 करोड़ रुपये, विपणन के लिए 710 करोड़ रुपये और उत्कर्ष क्लासेस में अतिरिक्त हिस्सेदारी के लिए 26.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। फिजिक्सवाला जेईई, नीट, गेट और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कोर्स प्रदान करती है। कंपनी के तकनीक-सक्षम केंद्र छात्रों को व्यक्तिगत सहायता के साथ शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। यह आईपीओ फिजिक्सवाला के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे कंपनी भारत के शिक्षा क्षेत्र में अपनी पहुंच और प्रभाव को और बढ़ा सकेगी।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में शेयर बाजार से 12,257 करोड़ निकाले

- अब तक कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये की एफपीआई निकासी दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों से 12,257 करोड़ रुपये (लगभग 1.4 अरब डॉलर) की बड़ी निकासी की है। यह निरंतर प्रवृत्ति रही है क्योंकि अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस तरह, 2025 में अब तक कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये की एफपीआई निकासी दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार डॉलर में मजबूती, अमेरिकी शुल्क संबंधी चिंताएं, और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव निकासी के प्रमुख कारण हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियां, अमेरिकी श्रम बाजार के आंकड़े, और भारतीय रिजर्व बैंक की ब्याज दरों पर निर्णय आगामी सप्ताहों में एफपीआई के निवेश प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं। बाजार के जानकारों के मुतो बिक आने वाले सप्ताह में आर्थिक संकेतकों पर नजर रहेगी, जो निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करेंगी। अस्थिरता के बावजूद भारत की मजबूत विकास दर, नीतिगत सुधार और कंपनियों की बेहतर आय के कारण एफपीआई अंततः वापस आएंगे। उन्होंने बताया कि घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से एफपीआई उच्च मूल्यांकन वाले भारतीय बाजारों से पैसा निकालकर चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे सस्ते बाजारों में निवेश कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड सेक्टर में 1,978 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 993 करोड़ रुपये निकाले गए हैं।

अर्शदीप सिंह इतिहास रचने की दहलीज पर, इस उपलब्धि से एक विकेट दूर

दुबई(एजेंसी)। भारत आगामी एशिया कप 2025 की तैयारी कर रहा है, जो 9 से 28 सितंबर तक दुबई में आयोजित होने वाला है। इस बीच बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 100 टी20आई विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने की दहलीज पर हैं और कुल मिलाकर, वह ऐसा करने वाले 25वें भारतीय होंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 63 टी20आई मैचों में 18.30 की औसत से 99 विकेट लिए हैं, जहां उन्होंने 8.29 की इकॉनमी से रन दिए हैं और दो बार चार विकेट लिए हैं। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/9 है, जो उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच में यू क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाया था।

यह तेज गेंदबाज निरंतरता का प्रतीक है जिसने अपनी लाइन, लेंथ और स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान किया है। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से अर्शदीप ने 11 मैचों में हिस्सा लिया है और 15.15 की औसत से 20 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/14 रहा है, जबकि उनका इकॉनमी रेट 7.87 का रहा है। अर्शदीप इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 5 टेस्ट मैच खेले थे। प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने कयास लगाए थे कि अर्शदीप आखिरकार अपना पहला टेस्ट मैच खेलेंगे और लाल गेंद के प्रारूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। हालांकि पहले तीन टेस्ट मैचों में टीम में जगह न मिलने के बाद उनका इंतजार जारी रहा और मैनचेस्टर में चौथे मैच से पहले उनके हाथ में चोट लगने के बाद यह उम्मीद भी धूमिल हो गई।

एशियाई वर्चस्व के लिए टीम इंडिया 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी जिसमें भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच 19 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगा। सुपर 4 चरण 20 सितंबर से शुरू होगा। ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट सुपर 4 में जाएगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। अगर भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहता है, तो उसके सभी सुपर 4 मैच दुबई में होंगे। अगर भारत दूसरे स्थान पर रहता है तो उसके सुपर 4 मुकाबलों में से एक अबू धाबी में और बाकी दो दुबई में होंगे। सुपर 4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा। दुबई फाइनल की मेजबानी करेगा, जो 28 सितंबर को निर्धारित है।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

रिजर्व खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल।

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक जीता

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने रविवार को यहां फाइनल में फ्रांस को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम को फाइनल में नीदरलैंड से 155-157 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके तुरंत बाद बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अमन सैनी और प्रथमेश फुगे के साथ मिलकर भारत को पुरुष कंपाउंड टीम के खिताबी मुकाबले में फ्रांस पर 235-233 से रोमांचक जीत दिलाई।

तीन सेट के बाद स्कोर 176-176 से बराबर था लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में अपना धैर्य बनाए रखा और फ्रांस के 57 के मुकाबले शानदार 59 का स्कोर बनाकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने फाइनल तक के अपने सफ़र में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्की पर प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

क्रिकेट के बाद धोनी की फिल्मों में जबरदस्त एंट्री, द चेज के टीजर में गोलियां चलाते आए नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान और महान विकेटकीपर बल्लेबाज अब फिल्मों में नजर आएंगे। काफी लम्बे समय से धोनी के फिल्म जगत में खबरें आ रही थी और अब धोनी की फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है। क्रिकेट के बाद अब धोनी 'द चेज' में दिखाई देंगे। माधवन द्वारा शेयर किए गए 'द चेज' के टीजर में धोनी गोलियां चलाते हुए नजर आए।

इस फिल्म का निर्देशन वासन बाला ने किया है, जिन्होंने इससे पहले आलिया भट्ट और वेदांग रैन की 'जिग्रा' का निर्देशन किया था। इस क्लिप में माधवन और धोनी काले रंग के कपड़े और धूप का चश्मा पहने, बंदूकें पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। माधवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक मिशन। दो लड़ाके। कमर कस लीजिए - एक रोमांचक, धमाकेदार चेज की शुरूआत। 'द चेज' का टीजर अब रिलीज़ हो गया है। वासन बाला द्वारा निर्देशित। जल्द आ रही है।'

गौर हो कि धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह IPL में ही नजर आते हैं। धोनी ने कुल 538 मैच खेले हैं जिसमें 90 टेस्ट, 350 वनडे, और 98 टी20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। धोनी ने 38.09 की औसत के साथ 6 शतकों और 33 अर्धशतकों सहित टेस्ट में 4,876 रन बनाए हैं। वनडे में उन्होंने 50.58 की औसत से कुल 10,773 रन बनाए हैं जिसमें 9 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। टी20आई में धोनी ने 37.60 की औसत और दो अर्धशतकों सहित 1,617 रन बनाए हैं। विकेटकीपिंग के मामले में धोनी ने टेस्ट में 256 कैच और 38 स्टंप्स उड़ाए हैं। वहीं वनडे मे यह आंकड़ा 321 कैचों और 123 स्टंपिंग तक जाता है। धोनी ने टी20आई में 57 कैच और 34 स्टंप्स उड़ाए हैं।

भारत और पाकिस्तान ने किया अभ्यास, एशिया कप के लिए बेताबी बढ़ी

दुबई (एजेंसी)। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे। क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमें अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रहीं।

भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था। पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के खिलाफ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच लिए और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई।

आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था। शाम की शुरुआत भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी पर कोन्स के साथ ब्रोंको ड्रिल के साथ हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितांशु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर चीयरलीडर बने।

यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं। पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं।

शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नजर रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी। इस बीच सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ़ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूरी तक मारा। पुल, फ़्लैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें कभी-कभी अपनी शेप खोने पर मुंह बनाना पड़ा।

बीसीसीआई ने बनाया रिकार्ड, पांच साल में 14,627 करोड़ रुपये कमाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कमाई हार साल बढ़ती जा रही है। बीसीसीआई पहले ही दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है पर आईपीएल के आने के बाद उसकी कमाई और भी बढ़ी है। पिछले पांच साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीसीसीआई ने 14,627 करोड़ रुपये कमाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड का बैंक बैलेंस 12 महीने पहले 20,686 करोड़ रुपये था। बीसीसीआई की संपत्ति पिछले एक साल में काफी तेजी से बढ़ी है। इसका वित्तीय आंकलन 28 सितंबर को होने वाली आम बैठक में आयेगा। साल 2024 की आम बैठक में सामने आये आंकड़े के अनुसार साल 2019 से ही बीसीसीआई की नगदी और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये पहुंची है। ये रकम राज्य क्रिकेट संघों को बांटी गई राशि से पहले थी। 'इसलिए साल 2019 से ही बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में 14,627 करोड़ रुपये की संपत्ति बनायी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष से 4,193 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसके अलावा 2019 से ही उसका जेनरल कोष भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये पहुंच गया इस प्रकार उसमें 4,082 करोड़ रुपये की बढ़त हुई है।' बीसीसीआई ने आयकर के लिए ही 3000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। बोर्ड के लिए राजस्व और भी अधिक होता पर अंतरराष्ट्रीय मैचों से प्रसारण अधिकार राशि पिछले साल के 2,524.80 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'यह कमी पिछले साल की तुलना में साल के दौरान खेले गए अंतरराष्ट्रीय घरेलू मैचों की की कम संख्या से आई है।'

पंड्या अभ्यास सत्र में 20 करोड़ की घड़ी पहनकर उतरे

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के लिए यहां पहुंचने के बाद से ही अभ्यास में लगी हुई है। भारतीय खिलाड़ियों ने यहां जमकर अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सभी की नजरें रही। लंबे समय के बाद वापसी कर रहे पंड्या यहां बदले हुए हेयर स्टाइल के साथ ही 20 करोड़ रुपये की घड़ी पहनकर उतरे जिसे देखकर सभी हैरान रह गये। पंड्या की घड़ी की कीमत एशिया कप विजेता टीम को मिलने वाली रकम से भी ज्यादा है।

इस साल टूर्नामेंट की विजेता टीम को तीन लाख अमेरिकी डॉलर यानी 2.6 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं हार्दिक पंड्या के हाथ के घड़ी की कीमत इससे करीब 10 गुना ज्यादा निकली है। तकरीबन 20 करोड़ है. जिस घड़ी को हार्दिक ने पहनी थी वो रिचर्ड मिल आरएम 27-04 है। इसकी कीमत तकरीब 2250000 अमेरिकी डॉलर है। जिस घड़ी को हार्दिक ने पहना था वो पूरी दुनिया में केवल 50 लोगों के पास ही है। इसे खास तौर पर स्पेन के महान टेनिस स्टार राफेल नडाल के लिए बनाया गया था। इस घड़ी का वजह केवल 30 ग्राम है। वहीं ये 12,000 जी फोर्स से भी ज्यादा के दबाव का सामन कर सकती है।

जोस बटलर मात्र 43 रन हैं दूर, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हासिल करेंगे बड़ी उपलब्धि

साउथेम्प्टन (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर साउथेम्प्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे वनडे से पहले अपने देश के लिए 12,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने से 43 रन दूर हैं। अगर बटलर इस मुकाम तक पहुंच जाते हैं, तो वह ऐसा करने वाले केवल सातवें अंग्रेजी बल्लेबाज होंगे। वर्तमान में 387 मैचों में बटलर ने 36.12 की औसत, 95.49 के स्ट्राइक रेट, 14 शतकों और 73 अर्द्धशतकों के साथ 11,957 रन बनाए हैं। वह इंग्लैंड के अब तक के सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में बटलर ने पिछले दो वनडे मैचों में 15 और 61 रन बनाए थे। इस साल 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बटलर ने 35.50 की औसत, 113 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट, 4 अर्धशतकों और 96 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 639 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के लिए 57 टेस्ट मैचों में बटलर ने 100 पारियों में 31.94 की औसत, 2 शतकों और 18 अर्द्धशतकों के साथ 2,907 रन बनाए हैं जिसमें 152* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी टेस्ट 2022 में आया था, लेकिन वह हमेशा से ही सीमित ओवरों के क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

उन्होंने 193 एकदिवसीय मैचों में 39.05 की औसत और 115 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 5,350 रन बनाए हैं जिसमें 11 शतक और 28 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 162* है। इसके अलावा बटलर टी20आई में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जो उनके सबसे महान सीमित ओवरों के दिग्गजों में से एक होने की उनकी स्थिति को और पुख्ता करता है। 137 मैचों और 126 पारियों में उन्होंने 35.92 की औसत और 147.05 के स्ट्राइक रेट से 3,700 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 27 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 101* है। वह टी20आई इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के रन-स्कोरिंग चार्ट में सबसे ऊपर जो रूट हैं जिनके नाम 49.62 की औसत, 57 शतक और 114 अर्धशतकों के साथ 21,637 अंतर्राष्ट्रीय रन हैं। श्रृंखला की बात करें तो इंग्लैंड पहले ही इसे 2-0 से हार चुका है और अपने सम्मान के लिए अंतिम वनडे जीतने का लक्ष्य रखेगा।

तीसरे वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन

इंग्लैंड : जेमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक (कप्तान), जोस बटलर (विकेट कीपर), जैकब बेथेल, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन (विकेट कीपर), टेम्बा बावुमा (कप्तान), मैथ्यू ब्रीट्ज़के, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, वियान मुल्डर, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, कोडी यूसुफ, नंद्रे बर्गर

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को दूसरे टी20 में आसानी से हराकर सीरीज 1–1 से बराबर की

हरारे । जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका को एकतरफा मुकाबले में हराकर सभी को हैरान कर दिया। इसी के साथ ही उसने सीरीज में 1–1 से बराबरी हासिल कर ली है। एशिया कप ठीक पहले मिली ये हार श्रीलंकाई टीम के लिए एक करारा झटका है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लंकाई टीम मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और केवल 80 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को जिम्बाब्वे ने 14.2 ओवर में ही पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसी के साथ ही जिम्बाब्वे 1–1 से सीरीज में बराबरी करने में सफल रही है। सीरीज का पहला मैच श्रीलंका ने जीतकर सीरीज में बढ़त ली थी जिसे वह बनाये नहीं रख सकी। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने जीत पर खुशी जतायी है। वहीं श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने कहा कि पावरप्ले में बहुत ज्यादा विकेट खोने से हमें हार मिली। यह पिच आसान नहीं थी पर हमारे बल्लेबाजों की भी गलती थी। कमील मिशारा ने श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 20 रन बनाये। इसके अलावा असलंका 18 और दासुन शनाका 15 ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वहीं मेजबानों की ओर से रजा ने 11 रन देकर 3 जबकि इवांस ने 15 रन देश्कर इतने ही विकेट लिए। 81 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी भी अच्छी नहीं रही और उसने भी शुरुआत में अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ब्रायन बेनेट 19 और रयान बर्ल 20 नाबाद ने चौथे विकेट के लिए 26 रन जोड़कर टीम को संभाला। ताशिंगा मुसेकिवा ने चौका मारकर टीम को जीत दिलायी।

सीएएफए नेशंस कप 2025 में भारत को तीसरे स्थान के मैच में ओमान से मिलेगी कड़ी टक्कर

अपने पहले प्रयास में सीएएफए नेशंस कप के प्लेऑफ में पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम के पास सोमवार को ओमान के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में कड़ी चुनौती मिलेगी। भारतीय टीम अग्रिम पंक्ति में कमजोरी के बावजूद अपने ग्रुप में दूसरे स्थान के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की करने में सफल रही। विश्व रैंकिंग में 133वें स्थान पर काबिज भारत को अपने से 54 स्थान बेहतर टीम के खिलाफ मुकाबले में अपनी इस कमजोरी से पार पाने पर ध्यान देना होगा। यह आठ टीमों का टूर्नामेंट उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान द्वारा सह-आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ग्रुप मैच क्रमश : ताशकंद और हिसोर में खेले गए हैं। ओमान और भारत दोनों अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। उज्बेकिस्तान और ईरान की टीमें क्रमश : ग्रुप ए और बी में शीर्ष पर रहीं। ये दोनों टीमें ताशकंद में सोमवार को फाइनल मैच खेलेंगी। ओमान की टीम कागजों पर मजबूत है लेकिन भारत को हिसोर के इस मैदान पर ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच खेलने का फायदा मिलेगा। कोच खालिद जमील की देखरेख में पहली बार खेल रही भारत ने ग्रुप बी में सह मेजबान ताजिकिस्तान पर 2-1 की जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। उसे ईरान के खिलाफ 0-3 ये हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने अफगानिस्तान को गोलरहित ड्रॉ पर रोककर ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज ओमान ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर चुके उज्बेकिस्तान को 1-1 की बराबरी पर रोकने के बाद किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को एक समान 2-1 के अंतर से हराया। भारत के खिलाफ ओमान का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। साल 2000 के बादे दोनों टीमें के बीच नौ मैचों में ओमान ने छह में जीत हासिल की है जबकि तीन मैच बराबरी पर छूटे है। ओमान की टीम यहां एक नए कोच कार्लोस क्विरोज के साथ आई है। उन्होंने इससे पहले ईरान, यूएई और कतर की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन किया है। अत्यधिक अनुभवी क्विरोज ने स्पेन के शीर्ष क्लब रियल मैड्रिड और पुर्तगाल, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीमों को भी कोचिंग दी है। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने कहा कि उनकी टीम यहां सिर्फ टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि एक खास मकसद से आई है। मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमील ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी ठीक हैं और इन नतीजों के बाद सभी में सकारात्मकता है। हमें इस सकारात्मकता को अगले मैच में भी बनाए रखना होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमें एक अच्छा नतीजा मिलेगा।''

एरिना सबालेंका लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन चैंपियन बनी, अमेरिका की अनिसिमोवा को हराया

दुबई (एजेंसी)। न्यूयॉर्क - दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। सबालेंका जब खिताब से दो अंक दूर थीं, तब उन्होंने एक ऐसा ओवरहेड स्मैश लगाया जो आसान शॉट होना चाहिए था लेकिन उन्होंने उसे नेट में उलझा दिया जिससे अनिसिमोवा को ब्रेक का मौका मिल गया। सबालेंका ने हालांकि अपना धैर्य बनाए रखा और आखिर में 6-3, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस तरह से उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ियों से मिली हार की पीड़ा भी खत्म कर दी।

सबालेंका ने जीत हासिल करने के बाद कोर्ट पर अपना रैकेट गिरा दिया और मुस्कान बिखेर दी। उन पर भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा था क्योंकि एक बार उनके मन में संदेह पैदा हो गया था। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मेरे मन में शक घर कर गया था लेकिन इसके बाद मैं पलटी और मैंने गहरी सांस ली। मैंने खुद से कहा कि चलो ठीक है ऐसा होता है। यह बीती बात है और अब अगले अंक पर ध्यान दो।'

11 वर्षों में खिताब का बचाव करने वाली पहली महिला

सबालेंका पिछले 11 वर्षों में पहली महिला खिलाड़ी बन गई है जिन्होंने अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव किया। उनसे पहले यह कारनामा सेरेना विलियम्स ने किया था। वह 2012 से लेकर 2014 तक लगातार तीन बार चैंपियन बनी थी। अमांडा को लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वह जुलाई में विंबलडन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गई थी। उस मैच में वह एक भी गेम नहीं जीत पाई थी लेकिन शनिवार को यहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अवसरों का फायदा नहीं उठा पाई।

सबालेंका कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं : अनिसिमोवा

अमेरिका की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी (अनिसिमोवा) ने सबालेंका की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं वास्तव में उनकी बहुत प्रशंसा करती हूं। वह कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं। मुझे भी मौके मिले थे लेकिन मैं उन्हें नहीं भुना सकी।' बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका ने अपनी चौथी ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपने सभी खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस जीत से वह 2006 में जस्टिन हेनिन के बाद एक सत्र में तीन प्रमुख फाइनल हारने वाली पहली महिला बनने से बच गईं।

मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी : सबालेंका

सबालेंका मेलबर्न पार्क में मैडिसन कीज से तथा रोलैंड-गैरोस में कोको गॉफ से हार गई थी। शनिवार को उनके दिमाग में इन हार की तस्वीर भी बनी हुई थी। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद, मैंने सोचा कि सही यही होगा कि इसे भूलकर आगे बढ़ जाऊं। लेकिन फिर फ्रेंच ओपन में भी यही हुआ। मैंने उन फाइनल को देखा और मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी और मुझे खुशी है कि मैं इसमें सफल रही।'

पोलार्ड ने सीपीएल में 18 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए, अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया

जमैका । यहां जारी कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल करे आक्रामक बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगा दिया। पोलार्ड ने 18 गेंदों में ही नाबाद 54 रन बना दिये। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और इतने ही छक्के लगाये। इस मैच में पोलार्ड छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। पोलार्ड ने केवल 17 गेंदों में ही अर्धशतक लगाया। यह उनका सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक रहा है। वहीं, इस लीग में अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले केविन लुईस और डेविड मिलर ने 17-17 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे। सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के के नाम है। रसेल ने 14 गेंदों में ही ये उपलब्धि हासिल की थी। जेपी डुमिनी ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। पोलार्ड ने रोमारियो शेफर्ड के अंतिम ओवर में जकर चौके छक्के लगाये।

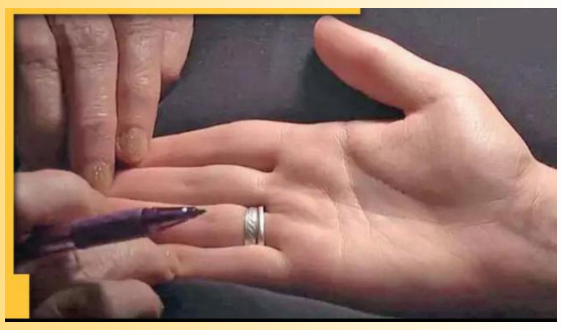

उंगलियों के दूरी भी बताती है कैसा रहेगा जीवन

हाथ की रेखाओं के साथ आप उंगलियों से भी आप वर्तमान और भविष्य के बारे में जान सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार,हस्तरेखा में उंगलियों की लंबाई के साथ उनकी बनावट और उनके बीच की दूरी भी इंसान के बारे में बता सकती है। अंगुलियों के बीच का अंतर भविष्य में क्या छिपा है यह बता सकता है।

लक्ष्य को लेकर होते हैं काफी गंभीर

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, तर्जनी यानी अंगूठे के पास वाली उंगली और मध्यमा यानी मीडिल फिंगर के बीच में खाली जगह है तो उस व्यक्ति के विचार स्वतंत्र होते हैं। वह आसानी से हर बात को कह देता है। अंगुलियों के बीच की ज्यादा दूरी है तो वह काफी मतलबी हो सकते हैं। हालांकि इस तरह के लोग अपने लक्ष्य को लेकर काफी गंभीर होते हैं और इनकी मेहनत भी काफी रंग लाती भी है।

ऐसे लोग केवल अपने फायदे सोचते हैं

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, मध्यमा यानी मिडिल फिंगर और अनामिका यानी रिंग फिंगर के बीच में दूरी नहीं होनी चाहिए। इन दोनो अंगुलियां का पास-पास होना शुभ माना जाता है। अगर इनके बीच में खाली जगह हो तो ऐसा व्यक्ति काफी लापरवाह माना जाता है। यह केवल अपने बारे में सोचते हैं।

परिवार के लिए करते हैं सभी कार्य

अनामिका यानी रिंग फिंगर और कनिष्ठा यानी सबसे छोटी उंगली के बीच की खाली जगह अशुभ मानी जाती है। ऐसे व्यक्ति बहुत क्रोधी होते हैं। यह अपने हक के लिए किसी भी स्तर पर जा सकते हैं, फिर यह गलत और सही नहीं देख पाते। जिनकी खाली जगह होती है, वह काफी सकारात्मक सोचते हैं और अपने परिवार की शांति के लिए सभी कार्य करते हैं।

बड़े पदों पर काम करते हैं ऐसे लोग

अगर तर्जनी यानी अमूंठे के पास वाली उंगली अनामिका यानी रिंग फिंगर से छोटी होती है। तो ऐसे व्यक्ति में अहं भाव, सम्मान पाने की इच्छा बहुत होती है। यदि यह ऊंगली अनामिका से बड़ी हो तो व्यक्ति उत्तरदायित्व वाले पदों यानी बड़े पदों पर काम करता है। अगर यह सामान्य से छोटी हो तो व्यक्ति में महत्वाकांक्षा की कमी होती है।

गंभीर स्वभाव के होते हैं ऐसे व्यक्ति

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, यदि किसी भी उंगलियों में फासला नहीं है तो ऐसे व्यक्ति काफी गंभीर स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग किसी से ज्यादा बात नहीं करते हैं, हमेशा अपने आप में रहते हैं। जिनकी सभी उंगलियों में फासला होता है वे जिंदादिल होते हैं। इन लोगों की सोच काफी सकारात्मक होती है।

मनी प्लांट लगाते समय रखें यह ध्यान

यूं तो हर कोई मनी प्लांट अपने घर में लगाता है ताकि घर में आर्थिक रूप से संपन्नता हो लेकिन क्या आप जानते हैं कि गलत दिशा में रखा गया मनी प्लांट आपको तबाह कर सकता है। आर्थिक रूप से कंगाल बना सकता है। तो अगर आप भी ये पौधा अपने घर में लगाना चाहते हैं, तो पहले इन बातों को जान लें। इसके मुताबिक ही घर में मनी प्लांट लगाएं। इससे आपको काफी लाभ होगा।

जब भी घर में ये पौधा लाएं तो ध्यान रखें कि इसे आग्नेय दिशा यानी कि दक्षिण-पूर्व में ही लगाएं। बता दें कि इस दिशा के देवता गणेश जी है जो कि अमंगल नाशक हैं और प्रतिनिधि ग्रह है शुक्र जो कि सुख- समृद्धि दायक है। इस तरह आपको आग्नेय दिशा में मनी प्लांट लगाने से फायदा ही फायदा होगा।

वहीं अगर आपने इसे किसी और दिशा में या फिर नकारात्मक कही जाने वाली ईशान दिशा यानी कि उत्तर- पूर्व में रख दिया तो आपको हानि ही हानि होगी। इसके पीछे कारण यह है कि बृहस्पति जो कि देवताओं के गुरु हैं और शुक्र राक्षसों के गुरु हैं। दोनों ही एक-दूसरे के शत्रु हैं और ईशान का प्रतिनिधि ग्रह बृहस्पति है।

ऐसे में जब भी आप इस दिशा में मनी प्लांट लगाते हैं तो आपको नुकसान ही नुकसान होगा। तो जब भी आपको घर में मनी प्लांट का पौधा लगाना हो, ध्यान रखें कि उसकी दिशा आग्नेय हो। इससे आपको धन संबंधी लाभ तो मिलेगा ही साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

पितृपक्ष में रखें इन बातों का ध्यान, पितृ होंगे प्रसन्न

पितृपक्ष शुरू हो गया है, इस समय लोग अपने पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय करवाते हैं, तो आइए हम आपको कुछ उपाय बताते हैं जिनसे आपके पितृ प्रसन्न होकर आपको आशीर्वाद देंगे।

पितृपक्ष का महत्व

हमारे हिन्दू धर्म में पितृपक्ष विशेष महत्व रखता है। हमारे यहां मृत्यु उपरांत व्यक्ति का श्राद्ध करना आवश्यक होता है। ऐसी मान्यता है कि अगर किसी का श्राद्ध विधिपूर्वक नहीं हुआ तो उसकी आत्मा को शांति नहीं मिलती है। माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान यमराज पितरों को उनके परिजनों से मिलने के लिए मुक्त कर देते हैं। ऐसे में अगर पितृपक्ष में पितरों का श्राद्ध न किया जाए तो उनकी आत्मा दुखी होती है।

पितृपक्ष से जुड़ी पौराणिक कथा

एक पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन काल में जोगे और भोगे नामक के दो भाई रहते थे। जोगे बड़ा था और भोगे छोटा था। जोगे बहुत धनवान था लेकिन भोगे गरीब था। जोगे की पत्नी को अपना धनवान होने का बहुत अभिमान था लेकिन भोगे की पत्नी बहुत सरल थी। पितृपक्ष आने पर जोगे की पत्नी ने जोगे से पितरों का श्राद्ध करने को कहा लेकिन जोगे नहीं माना। लेकिन जोगे की पत्नी को लगा कि अगर श्राद्ध नहीं करेंगे तो समाज क्या कहेगा। इसलिए श्राद्ध करवाया और उसमें अपने मायके वालों को अपना धन दिखाने के लिए बुलाया। इस तरह जिस दिन श्राद्ध था उस दिन पितृ आए और उन्होंने देखा कि जोगे के घर उसके पत्नी के मायके वाले भोजन कर रहे हैं। यह देखकर पितृ बहुत दुखी हुए और भोगे के घर चले गए। भोगे के घर अगियारी निकली थी उसकी राख चाट कर पितृ चले गए।

उसके बाद सभी पितृ जब नदी किनारे इकट्ठे हुए तो जोगे और भोगे के पितृ बहुत दुखी हुए। उन्होंने सोचा कि अगर भोगे के पास धन होता तो वह जरूर हमारा श्राद्ध अच्छे से करता । इसलिए सभी पितृ भोगे को धन मिले कहकर नाचने लगे। इधर भोगे के घर में भोजन नहीं होने के कारण उसके बच्चे भूखे थे। उन्होंने खाने का मांगा तो उनकी मां ने ऐसे ही कह दिया कि जाओ बर्तन में रखा है कुछ लेकर खा लो। जब बच्चों ने बर्तन खोला तो देखा कि उसमें सोने की मुहरें रखी हैं। उन्होंने यह बात मां को बतायी। इसके भोगे की पत्नी ने पितरों का अच्छे से श्राद्ध किया और जेठ-जठानी को बुलाकर आवभगत की।

पितृ पक्ष में ये गलती न करें

पंडितों की मान्यता है कि पितृपक्ष में अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए। यदि आप अपने पितरों का तर्पण करते हैं, तो ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करें। तर्पण के दौरान पानी में काला तिल, फूल, दूध, कुश मिलाकर पितरों का तर्पण करें। शास्त्रों का मानना है कि कुश का उपयोग करने से पितर जल्द ही तृप्त हो जाते हैं। पितृ पक्ष के दौरान आप प्रत्येक दिन स्नान के तुरंत बाद जल से ही पितरों को तर्पण करें। इससे उनकी आत्माएं जल्द तृप्त होती हैं और आशीर्वाद देती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृ पक्ष के दिनों में पितरों के लिए भोजन रखें। वह भोजन गाय, कौआ, कुत्ता आदि को खिला दें। पंडितों का मानना है कि उनके माध्यम से ये भोजन पितरों तक पहुंचता है।

किस दिन करें श्राद्ध

जिसकी मृत्यु तिथि का ज्ञान न हो उसका श्राद्ध अमावस्या को करना चाहिए। मृतक का श्राद्ध मृत्यु होने वाले दिन करना चाहिए। दाह संस्कार वाले दिन श्राद्ध नहीं किया जाता। अग्नि में जलकर, विष खाकर, दुर्घटना में या पानी में डूबकर, शस्त्र आदि से अल्पमृत्यु वालों का श्राद्ध चर्तुदशी को करना चाहिए, चाहे उनकी मृत्यु किसी भी तिथि में हुई हो। आश्विन कृष्ण पक्ष में सनातन संस्कृति को मानने वाले सभी लोगों को प्रतिदिन अपने पूर्वजों का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए, इससे पितर संतृप्त हो कर हमें दीर्घायु, आरोग्यता, पुत्र-पौत्रादि यश, स्वर्ग पुष्टि, बल, लक्ष्मी, स्थान, वाहन, सब प्रकार की समृद्धि सौभाग्य, राज्य तथा मोक्ष की प्राप्ति कराते हैं।

पितृपक्ष में निषेध हैं ये काम

1. नए कपड़े और नया सामान न खरीदें।
2. दरवाजे पर आए भिखारी और अतिथि का अपमान न करें।
3. बासी खाना न खाएं। साथ ही शराब और मांस का भी सेवन न करें।
4. पितृपक्ष में होने वाली पूजा में लोहे के बर्तन के स्थान पर हमेशा पीतल और तांबे के बर्तन का इस्तेमाल करें।
5. तेल और सजावट का सामान इस्तेमाल नहीं करें।
6. इस दौरान मसूर की दाल, अलसी, धतूरा, कुलथी और मदार की दाल का सेवन न करें।

इन कामों से होते हैं पितृ प्रसन्न

1. ब्राह्मणों को सम्मान पूर्वक बुलाकर भोजन कराएं। यह ध्यान रहे कि भोजन हमेशा दोपहर में ही कराएं, सुबह और शाम को देवताओं को समय होता है।
2. ब्राह्मणों को भोजन कराकर उन्हें मीठा जरूर खिलाएं। मीठा खाने से ब्राह्मण प्रसन्न होंगे और उससे पितृ खुश होंगे।
3. इसके अलावा आप गाय, कुत्ते और कौवों को भोजन करा सकते हैं। इन्हें भोजन कराएं बिना श्राद्ध अधूरा माना जाता है।

ये 10 चीजें हो तो माता लक्ष्मी कभी नहीं आती पास

व्यक्ति अपने परिवार की खुशी के लिए कड़ी मेहनत करता है ताकि उसके घर में हमेशा सुख और समृद्धि बनी रहे। लेकिन जाने-अनजाने कई बार कुछ छोटी-छोटी गलतियों की वजह से उनके ऊपर माता लक्ष्मी की कृपा नहीं हो पाती। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कई बार कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिसकी हम अनदेखी कर देते हैं लेकिन यही अनदेखी नुकसान और परेशानी की वजह बन जाती है।

वास्तु शास्त्र में घर पर मकड़ी के जाले को अशुभ माना जाता है इसलिए मकड़ी का जाला घर में न लगने दें। इससे उलझन और परेशानी बढ़ती है।

टूटे हुए आईने से हमेशा नकारात्मक ऊर्जा निकलती रहती है इसलिए घर में जब भी कोई दर्पण या शीशा टूट जाए तो उसे घर से बाहर कर दें।

घर में चमगादड़ का प्रवेश अशुभ माना गया है। वास्तु विज्ञान के अनुसार घर में चमगादड़ का आना सूनेपन की निशानी है। घर में कुछ बुरी घटनाएं होने के संकेत होते हैं।

घर की दीवारों में दरारों का होना अशुभ होता है इसलिए जहां दरार हो उसकी मरम्मत करवाएं, दरार का होना धन के लिए अशुभ माना गया है क्योंकि माता लक्ष्मी उन्हीं घरों में वास करती है जहां पर साफ-सफाई होती है।

वास्तु शास्त्र में नल से पानी टपकते रहने को अशुभ माना गया है। नल से लगातार पानी टपकने से धन की हानि होती है। इसलिए जब भी नल से पानी टपकता हो तो उसकी मरम्मत तुरंत करवाएं।

घर की छत पर कबाड़ और बेकार की चीजों को एकत्र न होने दें।

पूजा घर या घर पर कभी भी में बासी फूल को इकट्ठा करके नहीं रखें।

घर में खराब पड़े बिजली के उपकरणों को नहीं रहने देना चाहिए।

घर में कबूतर का घोंसला बनाना वास्तु विज्ञान के अनुसार अशुभ चिन्ह है। माना जाता है इससे घर पर बड़ी मुसीबत आती है।

घर के दीवारों के कोने में अगर कोई मधुमक्खी या मकड़ी घर में छत्ता लगाए तो इसे हटा दें। इनका घर में होना अशुभ सूचक होता है।

घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें

वास्तु के अनुसार अपने घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें। क्योंकि रंग भी घर में भी रहने वाली सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा को प्रभावित करते हैं। घर में यदि सही रंगों का प्रयोग किया गया है तो घर में अच्छी ऊर्जा बनी रहती है।

पूर्व दिशा

पूर्व दिशा यदि ठीक हो तो घर के मुखिया पर भगवान इंद्र की कृपा रहती है। इसके अलावा यह दिशा भगवान सूर्य को भी समर्पित मानी गई है, इस दिशा में सही होने से समाज में मान-सम्मान बना रहता है। वास्तु के अनुसार इस दिशा का फर्श गहरे हरे रंग का होना चाहिए।

पश्चिम दिशा

शास्त्रों के अनुसार पश्चिम दिशा लक्ष्मीजी का निवास माना गया है। इसलिए इस दिशा का दोष मुक्त होना बहुत जरूरी है। इस दिशा में अच्छी साफ-सफाई रखनी चाहिए। इस दिशा में फर्श का रंग सफेद होना चाहिए और बहुत ज्यादा आकृति और डिजाइनें नहीं होना चाहिए।

उत्तर दिशा

घर की उत्तर दिशा बेहद महत्वपूर्ण होती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार केवल इस एक दिशा के सही होने से घर में खुशहाली आती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा को धन-कुबेर का स्थान माना जाता है। इस दिशा में हमेशा गहरे काले रंग का पत्थर फर्श के तौर पर लगवाना चाहिए।

दक्षिण दिशा

वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा नर्क की दिशा मानी जाती है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि कभी भी इस दिशा में घर का प्रवेश द्वार नहीं होना चाहिए। न ही इस दिशा में शयन-कक्ष या पति-पत्नी का बेडरूम होना चाहिए। चूंकि इसे यम की दिशा मानी जाती है तो यहां के फर्श का रंग गहरा लाल होना चाहिए...।

उत्तर-पूर्व दिशा

उत्तर-पूर्व दिशा में भगवान शिव का वास माना गया है। शिवजी को आसमानी और नीला रंग बेहद पसंद है, इसलिए शिव पूजा में आसमानी रंगों का प्रयोग किया जाना शुभ माना गया है।

दक्षिण पूर्व

इस दिशा का सृष्टि के रचियता ब्रह्मा की दिशा माना गया है। इस दिशा में बैंगनी रंग का फर्श होना शुभ माना जाता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा

दक्षिण दिशा के स्वभाव से ठीक विपरीत दक्षिण पश्चिम दिशा का स्वभाव है। इस दिशा में हल्के रंगों का इस्तेमाल सही माना गया है। यहां हल्के गुलाबी रंग का फर्श ठीक माना गया है।

उत्तर-पश्चिम दिशा

घर की इस दिशा को वायु की दिशा माना जाता है। इसलिए इस दिशा की दीवारों, पर्दों और यहां तक फर्श का रंग भी ग्रे होना चाहिए। यह रंग इस दिशा के लिए सबसे शुभ माना गया है।

इन जानकारी के अनुसार अगर आप अपने घर का फर्श बनवाते हैं तो आपको घर वास्तुदोष से मुक्त रहेगा। लेकिन अगर किसी कारण से आपने किसी दिशा में गलत रंग का फर्श बनवा लिया है तो आप कमरों का उपयोग बदल सकते हैं। जैसे रसोईघर को शयन कक्ष बना लें या लिविंग एरिया को बेडरूम बनाकर घर को वास्तुअनुरूप बना सकते हैं।

भारत का अशोक स्तंभ सिर्फ बिहार के सम्राट अशोक का स्तंभ नहीं है

गिरिराज बोले- राहुल गांधी बिहार को कितनी बार अपमानित करेंगे?

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देश को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर देश राहुल गांधी के इशारे पर चलेगा, तो बर्बाद हो जाएगा। राहुल गांधी विदेश जाकर देश का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी, तेजस्वी और लालू यादव से पूछना चाहता हूं कि आखिर वे बिहार को कितनी बार अपमानित करेंगे? एसआईआर को लेकर सीएम स्टालिन से अभद्र टिप्पणी करवाई गई। सीएम रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए पर सवाल उठाए और राहुल गांधी ने कश्मीर में क्या करवा दिया? कश्मीर में राहुल गांधी और फारुक अब्दुल्ला की सरकार है। भारत का अशोक स्तंभ सिर्फ बिहार के सम्राट अशोक का स्तंभ नहीं है। इसे संविधान और पूरे देश ने अपनाया है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर से लेकर केरल और बिहार तक अभद्र बातें कही गई और अब वे अशोक सम्राट पर आ गए हैं। राहुल गांधी ने हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कही थी, लेकिन अंत में बीड़ी बम फोड़ा। कांग्रेस ने बिहारियों की तुलना बीड़ी बम से की, लेकिन ये बीड़ी बम ही उनका हाइड्रोजन बम था। गिरिराज ने तेजस्वी यादव से कांग्रेस गठबंधन से अलग होने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार का समर्थन करते हैं, तो तेजस्वी को कांग्रेस से अलग होना चाहिए। इतना ही नहीं, राहुल गांधी को फारुक अब्दुल्ला से संबंध तोड़ना चाहिए, अगर वे उनके साथ गठबंधन नहीं तोड़ते हैं, तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

गिरिराज ने जीएसटी को लेकर कहा कि जीएसटी में सुधार का फैसला पीएम मोदी की गरीबों, मध्यम वर्ग और देश के प्रति सोच और भावनाओं को दर्शाता है। उन्होंने 27 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। अब जीएसटी को सरल और कम करके, उन्होंने दुर्गा पूजा और दीपावली पर देवी लक्ष्मी से प्रार्थना की ताकि गरीब घरों में त्योहार ठीक से मनाए जा सकें। इसीलिए उन्होंने इसे लागू किया। ऐसे मौके हर साल आते रहेंगे और पीएम मोदी इसी तरह तोहफे देते रहेंगे। गिरिराज ने तेजस्वी यादव के बयान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे अनाप-शनाप बातें करते हैं। अगर उनको समझ में नहीं आता तो किसी से भी पूछ लें, लेकिन कम से कम बिहार का अपमान न करें। अपने पिताजी के कार्यकाल को याद करें।

बिहार विधानसभा चुनाव पूर्व प्रशांत किशोर का ऐलान- हमारी पार्टी की सरकार बनी तो 100 भ्रष्ट मंत्री-अफसर जाएंगे जेल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में चुनावी सरगर्मी बढ़ते ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार रह चुके प्रशांत किशोर (पीके) ने एक बड़ा ऐलान किया है। खगड़िया में आयोजित बिहार बदलाव सभा में हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यहां पर पीके ने कहा, कि बिहार के जो सबसे भ्रष्ट 100 मंत्री और अधिकारी हैं, उन्हें अभी से पूजा-पाठ करना शुरू कर देना चाहिए।

जन सुराज पार्टी की सरकार बनी तो वे सीधे जेल जाएंगे और उनकी अवैध कमाई उनके बच्चों से भी वसूली जाएगी। प्रशांत किशोर ने राजद पर सीधा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी की पूरी फंडिंग बालू और शराब माफिया से होती है। उन्होंने कहा, लालू परिवार ने बिहार को गर्त में धकेल दिया है। इसी के साथ उन्होंने तेजस्वी यादव को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री रहते हुए तेजस्वी के कार्यकाल में लूट और गुंडागर्दी चरम पर रही। उन्होंने कहा, कि तेजस्वी अपने माता-पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं, इसी वजह से बिहार की हालत लगातार बिगड़ती गई। लोगों से अपील करते हुए पीके ने कहा कि अब बिहार को बदलने के लिए नई राजनीति की जरूरत है और जन सुराज पार्टी ही एकमात्र ऐसा विकल्प है, जो भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी से मुक्त सरकार दे सकती है। पार्टी लगातार जिलों में सभाओं और अभियानों के जरिए जनता से जुड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

झारखंड में 10 लाख का इनामी नक्सली अपटन एनकाउंटर में ढेर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा की आराहासा पंचायत के रेलापराल गांव के पास जमकर मुठभेड़ हुई। यहां की बुरजूवा पहाड़ी पर रविवार तड़के हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दस लाख के इनामी नक्सली सब जोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन को ढेर कर दिया गया है। सुरक्षाबलों ने घटना स्थल से एक एसएलआर रायफल भी बरामद दिया है। एसपी राकेश रंजन ने इसकी पुष्टि की है। एक माह में यह दूसरी मुठभेड़ हुई है, जिसमें सुरक्षाबलों को कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने एक माह पूर्व मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के नक्सली को मार गिराया था। मिली जानकारी के अनुसार, चाईबासा एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि गोइलकेरा के रेला पराल क्षेत्र में नक्सली संगठन के सक्रिय सदस्य मौजूद हैं। इसके पुलिस, कोबरा और सीआरपीएफ ने संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को देखते ही फायरिंग शुरु कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और फायरिंग शुरू की। सुरक्षाबलों भारी पड़ता देख नक्सली जंगल और पहाड़ी का फायदा उठाते हुये जंगल में भाग खड़े हुये। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने एक नक्सली का शव बरामद किया है। जिसकी पहचान अमित हांसदा उर्फ अपटन के रूप में हुई है। मारे गये नक्सली अमित हांसदा जोनल कमेटी मेंबर था और उस पर दस लाख का इनाम था।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में चल रहा था नशे का कारोबार, छापे में मिली करोड़ों की नशीली ड्रग्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीरा-भयंदर, वसई-विरार पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल और अपराध शाखा ने तेलंगाना में एक केमिकल मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री के नाम पर चल रहे कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। यह फैक्ट्री हैदराबाद के पास चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र में स्थित थी। वाघदेवी लैब्स नाम से संचालित यह फैक्ट्री वैध लगती थी, लेकिन यहां बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों का उत्पादन किया जा रहा था। पुलिस ने यहां से 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक विदेशी नागरिक भी है। वहीं 12 हजार करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स भी जब्त की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एमडी का पूरा नाम मेफेड्रोन है। इसे म्याऊ म्याऊ, मेफ, एम-कैट या मियाऊ के नाम से भी जाना जाता है। यह एम्फैटेमिन दवाओं के ग्रुप में शामिल है, जिसमें स्पीड और बहुत ज्यादा खुशी का अनुभव होता है। नशीले पदार्थों की जब्ती के संबंध में यह बीते कुछ सालों की सबसे बड़ी रेड बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि फैक्ट्री की जड़ तक पहुंचने के लिए पहले गिरोह में अपने लोगों की घुसपैठ कराई। कई हफ्तों की जोखिम भरी कोशिश के बाद गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। छापे में पुलिस ने अत्याधुनिक रासायनिक उपकरण, ड्रग प्रोडक्शन यूनिट और करीब 32 हजार लीटर प्रीकर्सर केमिकल सहित कच्चे माल का जखीरा बरामद किया है। इस ड्रग्स को महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में सप्लाई किया जाता था। फैक्ट्री को सील कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कोल्हापुर में एक 10 साल के मासूम को खेलते-खेलते आया हार्ट अटैक, मां की गोद में तोड़ा दम

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पन्हाला तहसील के कोडोली गांव से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां 10 वर्षीय श्रवण अजीत गावड़े को खेलते-खेलते अचानक बेचैनी महसूस हुई, वह भागकर घर पहुंचा। मां की गोद में लेटते ही उसकी सांसें थम गईं। जानकारी अनुसार गणपति मंडल पंडाल में दोस्तों के साथ खेल रहे श्रवण को अचानक बेचैनी महसूस हुई थी। घबराकर वह घर पहुंचा और मां से कहा कि उसकी तबीयत खराब है। कुछ ही पलों बाद उसने मां की गोद में ही दम तोड़ दिया। परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवारजनों का कहना है कि बच्चे की मौत गंभीर हृदयाघात (हार्ट अटैक) से हुई। श्रवण की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिवार पहले ही एक बड़ी त्रासदी झेल चुका है। चार साल पहले अजीत गावड़े की बेटी की भी मौत हो गई थी। अब इकलौते बेटे की असमय मौत से घर में मातम छा गया है। श्रवण के चाचा गजानन गावड़े ने बताया कि वह बेहद चंचल और मिलनसार बच्चा था। एक बच्चे की हृदयाघात से मौत ने सभी को सदमें में ला दिया है।

मदरसे के सीनियर छात्रों ने छात्र का किया यौन शोषण, हत्या कर सेप्टिक टैंक में फेंका

-पुलिस ने पांच नाबालिगों को पकड़ा, मदरसे ने पांच के नाम का काटे

नयागढ़ (एजेंसी)। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक मदरसे में नाबालिग छात्र की कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक छात्र का यौन उत्पीड़न किया गया और फिर उसके ही सीनियर ने उसकी हत्या कर दी। इस मामले पांच नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पीड़ित छात्र कटक जिले का रहने वाला था और नीलमणि में एक मदरसे में पढ़ता था। उसके पिता की शिकायत के मुताबिक उसकी हत्या बाथरूम के अंदर की गई और उसके शव को एक सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्र को एक सीनियर छात्र बार-बार प्रताड़ित करता था। 31 अगस्त को दोपहर 1 बजे के करीब, दो छात्रों ने उसका यौन शोषण करने के बाद उस पर हमला किया और उसे मृत मानकर सेप्टिक टैंक में फेंक दिया। बच्चा उस रात तो भागने में कामयाब रहा, लेकिन 2 सितंबर को उसे बचाने के बहाने दो छात्रों ने फिर उसी जगह पर बुलाया। तीन अन्य छात्रों के साथ मिलकर उन्होंने कथित तौर पर उसका यौन शोषण किया। इसके बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और शव को टैंक में फेंक दिया। रिपोर्ट के मुताबिक फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए और गवाहों के बयानों ने आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि की। 12 से 15 साल की उम्र के सभी पांचों नाबालिगों पर यौन अपराध का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया है। मदरसे ने उनके नाम अपने रिकॉर्ड से हटा दिए हैं और उनके जन्म प्रमाण पत्र जब्त कर लिए हैं।

महिला जजों की संख्या बढ़ाई जाए : पूर्व सीजेआई रमना

-अधिवक्ता सिंघवी ने किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) एनवी रमना ने अदालतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि बिना उचित प्रतिनिधित्व के लैंगिक समानता पर बात करना केवल दिखावा है। रमना ने इस आशय के विचार दिल्ली स्थित एसआरएम स्कूल ऑफ लॉ में आयोतित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

यहां रमना ने बताया कि अब तक सुप्रीम कोर्ट में केवल 11 महिला जज बनी हैं। इनमें से तीन ने 31 अगस्त 2021 को उनके कार्यकाल में शपथ ली थी। वर्तमान में जस्टिस बीवी नागरत्ना 2027 में देश की पहली महिला सीजेआई बनने जा रही हैं, हालांकि उनका कार्यकाल सिर्फ 36 दिनों का होगा। रमना ने कहा कि संस्थाओं को समाज का प्रतिबिंब होना चाहिए और लैंगिक विविधता केवल औपचारिकता नहीं बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और न्याय प्रणाली को समृद्ध करने के लिए आवश्यक है।

उन्होंने न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल को हाल ही में ढांचागत कमी के चलते छह में से तीन कोर्टरूम बंद करने पड़े। सीजेआई के रूप में अपने कार्यकाल में उन्होंने सरकार से नेशनल ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर अथॉरिटी बनाने की सिफारिश की थी, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका।

पूर्व सीजेआई रमना ने शनिवार को जो बातें रखीं उन पर वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी समर्थन जताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों को जल्द लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट दशकों से दो-तिहाई क्षमता पर काम कर रहे हैं, जबकि निचली अदालतें 25,000 जजों की स्वीकृत संख्या के केवल चार-पांचवें हिस्से पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों की संख्या का सीधा संबंध जजों की कमी से है। न्यायपालिका में लैंगिक संतुलन और ढांचागत सुधार अब समय की मांग बन गए हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव पूर्व इंडिया ब्लॉक के सांसदों को खड़गे दे रहे डिनर पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार शाम संसद भवन में इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए डिनर का आयोजन करने का फैसला किया है। यह बैठक उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले हो रही है, जिसका उद्देश्य विपक्षी एकता को मज़बूत करना और गठबंधन के उम्मीदवार जस्टिस (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी के समर्थन को सुनिश्चित करना है।

गौरतलब है कि विगत 21 जुलाई को संसद के मॉनसून सत्र के पहले ही दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उपराष्ट्रपति का पद रिक्त हो गया था। अब चूंकि उपराष्ट्रपति चुनाव 09 सितंबर को होना है अतः एक दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे इंडिया ब्लॉक के सांसदों को डिनर पार्टी दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार को ओवैसी का भी समर्थन हासिल है। दरअसल एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर लिखा, कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री से बातचीत के बाद उनकी पार्टी सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करेगी। ओवैसी ने रेड्डी को हैदराबाद का गौरव और सम्मानित न्यायविद बताते हुए इंडिया ब्लॉक के साथ खड़ा होने का संकेत दिया है।

यहां बताते चलें कि 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में बी. सुदर्शन रेड्डी और एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के बीच सीधा मुकाबला होगा। 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति पद रिक्त हुआ था।

चुनाव की प्रक्रिया

उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सांसदों द्वारा किया जाता है। यह चुनाव संविधान के अनुच्छेद 64 और 68 तथा उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 के

प्रावधानों के तहत होता है। मतदान आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली और एकल संक्रमणीय मत पद्धति से, गुप्त मतदान द्वारा कराया जाएगा।

जीएसटी में बदलाव से खेती की लागत कम होगी, किसानों का बढ़ेगा मुनाफा

-केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जीएसटी सुधारों के गिनाए लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश दौरे में पत्रकारों से बातचीत में जीएसटी को लेकर कहा कि जीएसटी सुधारों का कृषि क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे छोटे और मध्यम किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में कमी से खेती की लागत कम होगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

चौहान ने कहा कि जैव-कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर जीएसटी कम किया गया है, जिससे किसानों को फायदा होगा। साथ ही रासायनिक उर्वरकों से जैव-उर्वरकों की ओर किसानों का रुझान बढ़ेगा। डेयरी क्षेत्र में दूध और पनीर पर अब जीएसटी नहीं लगेगा, जिससे न केवल आम जनता को लाभ होगा, बल्कि किसानों, पशुपालकों और दूध उत्पादकों को भी फायदा होगा। उनहोंने कहा कि पीएम मोदी और सरकार यह तय करने की कोशिश कर रही है कि आम जनता को कोई परेशानी न हो। कृषि मंत्री ने पीएम को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारा संकल्प है कि कृषि में उत्पादन लागत कम हो और उत्पादन बढ़े। इससे किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

चौहान ने कहा कि जीएसटी सुधारों से किसानों को कई लाभ होंगे। कुछ कंपनियों ने इसकी शुरुआत कर दी है। कृषि उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और रोटावेटर पर जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। उदाहरण के तौर पर 9 लाख रुपए का ट्रैक्टर अब 65,000 रुपए सस्ता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किसानों की जोत छोटी है। इसलिए हम एकीकृत खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि किसान खेती के साथ-साथ संबद्ध क्षेत्रों में भी काम कर सकें। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में मक्खन, घी और दूध के डिब्बों पर भी जीएसटी कम किया गया है, जिससे स्वदेशी उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी और डेयरी क्षेत्र को प्रगति मिलेगी।

उनहोंने कहा कि 12 जैविक कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर भी जीएसटी कम किया गया है। उर्वरकों के कच्चे माल जैसे अमोनिया, सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। इससे उर्वरकों की कीमतें कम होंगी और किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

फिर मुंबई में बम धमाके की धमकी भरा संदेश, अब नायर अस्पताल को अज्ञात व्यक्ति ने किया ईमेल

मुंबई(एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध नायर अस्पताल में बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी शनिवार रात करीब 11 बजे अस्पताल के डीन के आधिकारिक ईमेल आईडी पर मिली। इस घटना से अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए भय और दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, पुलिस द्वारा त्वरित निरीक्षण करने पर अस्पताल परिसर में कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। फिलहाल, पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुटी है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह धमकी भरा ईमेल किसी अज्ञात व्यक्ति ने भेजा था। इसमें अस्पताल को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। अस्पताल प्रशासन ने इस ईमेल की सूचना मुंबई पुलिस को दी। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से अस्पताल परिसर की गहन जांच की। जांच के दौरान कोई संदेहास्पद वस्तु नहीं मिला। हालांकि, एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। साथ ही, साइबर सेल के विशेषज्ञों ने इस ईमेल के पीछे के व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

- दो दिन पहले आया था मुंबई में धमाके की धमकी भरा संदेश

दूसरी ओर, गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान मुंबई ट्रैफिक पुलिस की व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर एक धमकी भरा संदेश मिला। इस संदेश में, लश्कर-ए-जिहादी नामक एक संगठन ने दावा किया था कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी मुंबई में घुस आए हैं और एक बड़े विस्फोट को अंजाम देने के लिए 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स लगाने की योजना बना रहे हैं। इस धमकी ने मुंबई शहर को हाई अलर्ट पर रख दिया था। मुंबई पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और उत्तरप्रदेश के नोएडा पुलिस की मदद से इस मामले के आरोपी अश्विनी कुमार सुप्रा (उम्र 50) को गिरफ्तार कर लिया। अश्विनी मूल रूप से बिहार के पटना रहने वाले हैं। वह पिछले पांच सालों से नोएडा के सेक्टर 79 की एक सोसाइटी में रह रहे हैं। वह वास्तु शास्त्र और ज्योतिष का व्यवसाय करते हैं। पुलिस ने उनके पास से धमकी भरा संदेश भेजने के लिए इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त कर लिया है। इस मामले में, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अश्विनी ने अपने दोस्त को फंसाने के लिए यह धमकी भेजी थी। पुलिस ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया एजेंसियों की मदद से उसे नोएडा के सोरखा गांव से गिरफ्तार कर मुंबई लेकर आई है।

थिएटर कमांड का गठन जरुरी आज नहीं तो कल होगा ही: सेना प्रमुख द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा पर बनी हुई सुरक्षा चुनौती के बीच सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने तीनों सशस्त्र सेनाओं की संयुक्त रूप से गठित की जाने वाली थिएटर कमांड के गठन को लेकर कहा कि यह कार्य आज नहीं तो कल होगा। हमें बस ये देखना है कि इसमें कितना समय लगता है। पूरी प्रक्रिया के लिए हालांकि कुछ कदम उठाने पड़ेंगे। जिसमें संयुक्तता और एकीकरण मुख्य रूप से शामिल हैं। साथ ही कई और चीजें हैं, जिन पर चर्चा किए जाने की आवश्यकता है।

यह जानकारी सेनाप्रमुख ने राजधानी में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर पर लिखी गई एक पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में दी है। जिसका शीर्षक 'ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि थिएटर कमांड या फिर सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं का संयुक्त रूप से एकीकरण जरूरी आकार लेगा। लेकिन प्रश्न यह है कि इसे हकीकत में पूरा होने में कितना समय लगता है? अगर किसी एक को विभिन्न एजेंसियों का संचालन करना है। तो निश्चित रूप से जवाब थिएटर कमांड ही होगा। यहां बता दें कि सेनाप्रमुख का थिएटर कमांड को लेकर यह बयान वायुसेनाप्रमुख और नौसेनाप्रमुख द्वारा बीते करीब दो सप्ताह पहले इस मामले पर अपने विचार रखने के बाद दिया गया है।

जनरल द्विवेदी ने थिएटर कमांड का महत्व बताते हुए कहा कि जब हम कोई लड़ाई लड़ते हैं। तो केवल सेना ही उस लड़ाई को नहीं लड़ती है। हमारी बीएसएफ, आईटीबीपी भी उसमें भाग लेती हैं। उसके साथ ही तीनों सशस्त्र सेनाओं, रक्षा साइबर एजेंसियों, रक्षा स्पेस एजेंसियों की भी भागीदारी रहती है। अब हम ज्ञान संबंधी युद्ध कौशल से जुड़ी एजेंसियों की बात कर रहे हैं। जिसमें इसरो, सिविल डिफेंस, नागर विमानन, रेलवे, एनसीसी और राज्य- केंद्रीय प्रशासन शामिल हैं। ऐसे में अगर किसी एक को सभी एजेंसियों को संचालित करना हो तो निश्चित रूप से उसका जवाब थिएटर कमांड ही होगा। क्योंकि कमांड की एकता सबसे महत्वपूर्ण है। आपको एक कमांडर की जरूरत है, जो किसी भी गतिविधि के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभाल सके। थिएटर कमांड का गठन बेहद आवश्यक है।

अलर्टः आंधी-तूफान के साथ झमाझम होगी बारिश, कई राज्यों के जलमग्न होने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी अगले सात दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में 12 सितंबर के बीच भारी बारिश की संभावना है। उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में भी भारी बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में देश के कई हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। दक्षिणी राजस्थान में निम्न दबाव क्षेत्र के पश्चिम-उत्तर की ओर बढ़ने और गुजरात में अवसाद में बदलने की संभावना है।

इसके कारण आज यानी 7 सितंबर को गुजरात और राजस्थान में अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी 12 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। गोवा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में रविवार को आंधी-तूफान के साथ बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली के शाहदरा, मध्य, पूर्व, पश्चिम, उत्तर, उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम जिलों में अगले कुछ घंटों में बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि शनिवार को पूर्वी, उत्तरी और मध्य दिल्ली सहित शहर के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 0.9 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 0.6 डिग्री कम है। दिल्ली में शाम 5.30 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 78 प्रतिशत दर्ज की गई।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल करने का प्रयास शनिवार भारी बारिश के कारण बाधित हुआ। अधिकारी ने बताया कि 270 किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग लगातार पांचवें दिन भी बंद रहा। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि 7-8 सितंबर को जम्मू संभाग के कुछ जिलों में मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। 9 से 12 सितंबर के बीच कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकती हैं। इस सप्ताह के शुरू में जम्मू संभाग में भारी बारिश के कारण राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। इस दौरान कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़क के ऊपर पहाड़ियों से पत्थर गिरने से उधमपुर और बनिहाल के बीच विभिन्न स्थानों पर सड़क खराब हो गई थी। राजमार्ग बंद होने से दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी नागरिक को गलत तरीके से बंधक बनाने वाले देशों पर कार्रवाई करेगी ट्रम्प सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को एक एक्सक्लूजिव ऑडर पर साइन किया है। इसके तहत अमेरिका के नागरिकों को गलत तरीके से बंधक बनाने वाले देशों पर कार्रवाई की जाएगी। इनमें चीन ईरान और अफगानिस्तान शामिल हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकों को गलत तरीके से गिरफ्तार करने वाले देशों पर आर्थिक, वीजा और विदेशी सहायता से जुड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकियों को इन देशों का पासपोर्ट भी नहीं दिया जाएगा। ?रुबियो ने कहा कि, च्अमेरिकियों को सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल करने वाले देशों को भारी कीमत चुकानी होगी।' इससे पहले 2022 में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे नेशनल इमरजेंसी बता चुके हैं।

'पीएम मोदी ने नोबेल पुरस्कार देने का समर्थन नहीं किया तो ट्रंप दिल पर ले गए', अमेरिकी विशेषज्ञ का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक शीर्ष विद्वान ने भारत और अमेरिका के संबंधों में आई खटास की संभावित वजह का कारण बताते हुए कहा कि ट्रंप खुद को वैश्विक शांतिकार दिखाना चाहते हैं और इसी के चलते उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की, लेकिन जब पीएम मोदी ने इससे इनकार किया तो ट्रंप इस बात को शायद निजी तौर पर ले गए। अमेरिकी शिक्षाविद् ने बताया, ट्रंप ने क्यों लगाया भारत पर टैरिफ न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में अमेरिकी शिक्षाविद् टेरिल जोंस ने कहा कि 'ट्रंप प्रशासन में नीतियां तेजी से बदलती हैं और जल्द ही उन्हें लागू कर दिया जाता है। ट्रंप की रणनीति दो पक्षों में बातचीत के लिए पहले बड़ी-बड़ी शर्तें लगाना और फिर उन्हें बातचीत के लिए राजी करना है और अभी भी वे यही कर रहे हैं।' जोंस ने कहा कि 'ट्रंप ने उम्मीद की थी कि पीएम मोदी भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करें, लेकिन जब पीएम मोदी ने ऐसा नहीं किया तो ट्रंप इस बात को दिल पर ले गए और इसी के चलते ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाया।

भारत द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं : पीटर नवारो

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर बेतुका बयान दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं। भारत रूसी तेल पूरी तरह से लाभ कमाने के लिए खरीदता है। इसी राजस्व से रूस अपने युद्ध की मशीन चला रहा है। यूक्रेन और रूस के लोग मारे जा रहे हैं। अमेरिकी करदाताओं को अधिक भुगतान करना पड़ता है। भारत सच/झूठ को बर्दाशत नहीं कर सकता।

श्रीलंका में 10 करोड़ के कुश संग भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के कोलंबो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक भारतीय नागरिक को शुक्रवार को 10 करोड़ के 10.75 किग्राकुश (भांग की अत्यंत नशीली प्रजाति) के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार 43 वर्षीय व्यक्ति नई दिल्ली में जूते की दुकान में काम करता है। सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अवैध मादक पदार्थों की खेप का पता लगाने के लिए ग्रीन चैनल में स्थापित स्कैनिंग मशीनों का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि उसने कुश की खेप बैंकॉक, थाईलैंड से खरीदी थी।

गूगल-एपल पर जुर्माने से भड़के ट्रंप, धारा 301 के तहत कार्यवाही की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कर गूगल पर जुर्माने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यूरोप ने आज एक और महान अमेरिकी कंपनी, गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। वह पैसा छीन लिया गया है जो अमेरिकी निवेश और रोज़गार के लिए जाता। यह कई अन्य जुर्मानों और करों के अलावा है जो गूगल और अन्य अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगाए गए हैं। यह कार्रवाई बहुत ही अनुचित है। अमेरिकी करदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे! जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मेरा प्रशासन इन भेदभावपूर्ण कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उदाहरण के लिए, एपल को 17 अरब डॉलर का जुर्माना भरने के लिए मजबूर किया गया, जो मेरे विचार से, नहीं लगना चाहिए था। एपल को अपना पैसा वापस मिलना चाहिए! हम शानदार और अभूतपूर्व अमेरिकी प्रतिभा के साथ ऐसा नहीं होने दे सकते और अगर ऐसा हुआ, तो मुझे इन करदाता अमेरिकी कंपनियों पर लगाए जा रहे अनुचित जुर्मानों को रद्द करने के लिए धारा 301 के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद बनीं ब्रिटेन की गृह मंत्री, सोशल मीडिया पर मच गया बवाल?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने शुक्रवार को अपनी कैबिनेट में बड़े स्तर पर फेरबदल किया। यह कदम उन्होंने उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेयनर के इस्तीफे के बाद उठाया, जिन्हें एक अपार्टमेंट की खरीद में स्टांप ड्यूटी कम चुकाने का दोषी पाया गया था। इस फेरबदल में पाकिस्तानी मूल की सांसद शबाना महमूद को देश का नया गृह मंत्री (होम सेक्रेटरी) नियुक्त किया गया है। शबाना महमूद ब्रिटेन की सबसे वरिष्ठ मुस्लिम महिला राजनेता हैं। उन्होंने इस पद पर यवेटे कूपर की जगह ली है। उनकी नियुक्ति ने सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा छेड़ दी है।

कौन हैं शबाना महमूद : 44 वर्षीय शबाना महमूद का जन्म बर्मिंघम, ब्रिटेन में हुआ था और उनके माता-पिता कश्मीरी मूल के हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ीं शबाना एक पूर्व बैरिस्टर हैं और 2010 से बर्मिंघम लेडीवुड से सांसद हैं। वह ब्रिटेन की सबसे वरिष्ठ मुस्लिम महिला राजनेता हैं और लेबर पार्टी में एक विश्वसनीय और कट्टर समर्थक मानी जाती हैं। उन्होंने पहले कई शैडो पोर्टफोलियो संभाले हैं, लेकिन पूर्व लेबर नेता जेरेमी कार्बाइन के नेतृत्व में वह उनकी टीम का हिस्सा नहीं बनी थीं।

अब गृह मंत्री के रूप में, उन्हें आव्रजन, छोटी नौकाओं से होने वाली अवैध सीमा पार, और शरणार्थी होटलों जैसे जटिल और संवेदनशील मुद्दों से निपटना होगा। उनकी नियुक्ति ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। ङ्घ पर कई यूजर्स ने इसे अल्पसंख्यक समुदायों के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव और एकीकरण का प्रतीक बताया। यूजर्स ने उनकी नियुक्ति पर चिंता जताई है, विशेष रूप से उनकी सख्त आव्रजन नीतियों की वकालत को लेकर। ब्रिटिश पत्रकार टॉमी रॉबिन्सन ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, शबाना महमूद, जिन्होंने कुरान पर संसदीय पद की शपथ ली थी, अब वह स्टारमर की नई गृह सचिव होंगी। अब वह आव्रजन और सीमाओं का प्रभार संभालेंगी। यहां वह कह रही हैं कि उनके लिए इस्लाम किसी भी चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण है। लेबर पार्टी को हटाना होगा। एक अन्य यूजर क्रिस रोज ने लिखा, ब्रिटेन में अब एक ऐसी गृह सचिव है जिसने पहले इजरायल विरोधी प्रदर्शन में शामिल होकर भीड़तंत्र को बढ़ावा दिया था, जिसके कारण दुकानें बंद करनी पड़ी थीं। शबाना महमूद अयोग्य और खतरनाक हैं। एक यूजर ने लिखा, ये हैं ब्रिटेन की नई गृह सचिव, शबाना महमूद। इस्लाम, मेरा अपना धर्म, और बहुत से धार्मिक मुसलमानों की तरह, मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज है। यह मेरे हर काम का मूल आधार है। हम तो बर्बाद हो गए। मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव रेयनर की जगह विदेश मंत्री

डेविड लैमी को उप-प्रधानमंत्री बनाया गया है। अब लैमी का विदेश मंत्रालय का कार्यभार गृह मंत्री यवेट कूपर संभालेंगी। लैमी अब उप-प्रधानमंत्री होने के साथ-साथ न्याय मंत्रालय भी देखेंगे। स्टारमर ने पर्यावरण, व्यापार और विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभागों में भी बदलाव किए हैं और दो मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर कर दिया है। सरकार पर बढ़ते संकट स्टारमर ने जुलाई 2024 में 14 साल की कंजरवेटिव सरकार का अंत कर प्रधानमंत्री पद संभाला था। लेकिन इसके बाद से उनकी सरकार कई मुद्दों पर डगमगाई है- कल्याणकारी योजनाओं और बुजुर्गों के ईंधन लाभ पर यू-टर्न लेना पड़ा, जबकि अर्थव्यवस्था को गति देने का वादा अधूरा है। आने वाला बजट भी कठिन माना जा रहा है। साथ ही, छोटे नावों से आ रहे अवैध प्रवासियों को रोकने में असफलता ने सख्त रुख अपनाने वाली नाइजेल फराज की रिफॉर्म यूके पार्टी को मजबूती दी है, जो अब लोकप्रियता में लेबर से आगे निकल चुकी है। अब इस चुनौती से निपटने की जिम्मेदारी शबाना महमूद पर होगी। रेयनर का विवाद और इस्तीफा 45 वर्षीय रेयनर ने बुधवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हव (ब्राइटन के पास) में खरीदे गए 8 लाख पाउंड के समुद्र तटीय अपार्टमेंट पर स्टांप ड्यूटी कम चुकाई। उन्होंने स्वयं को सरकार के स्वतंत्र नैतिकता सलाहकार के पास जांच के लिए भेजा था। जांच में पाया गया कि रेयनर ने अपने पूर्व पारिवारिक घर के दस्तावेज से नाम हटाकर नया फ्लैट मुख्य निवास के रूप में दर्ज कराया, जबकि उनके नाबालिग बेटे के कारण पुराने घर में उनकी हिस्सेदारी बनी रही। इस तरह उन्होंने लगभग 40,000 पाउंड कर बचाया। रेयनर ने इस्तीफे में लिखा, मैं स्वीकार करती हूं कि मैंने उच्चतम मानकों का पालन नहीं किया। मुझे अतिरिक्त कर सलाह लेनी चाहिए थी, लेकिन मैंने गलती की। मैं इसकी गहरी खेद व्यक्त करती हूं। स्टारमर ने उनके इस्तीफे पर अफसोस जताते हुए कहा कि वह अब भी पार्टी में एक बड़ी हस्ती बनी रहेंगी।

ट्रंप ने माना रूस यूक्रेन युद्ध रोकने में रहे असफल, कहा- नहीं कर पाया अपना वादा पूरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से संघर्ष चल रहा है और अभी भी इसके थमने के फिलहाल कोई आसार नहीं है। कारण है कि पिछले दिनों इस संघर्ष को खत्म करने के सभी प्रयास विफल होते दिख रहे है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वह अपने एक बड़े चुनावी वादे को पूरा नहीं कर सके। ट्रंप ने माना कि वह रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल का सबसे कठिन संघर्ष बताया। ट्रंप ने ये बात व्हाइट हाउस के नए नवीनीकरण के बाद आयोजित पहले आधिकारिक डिनर पर कही। इस दौरान ट्रंप ने ये भी दावा किया कि उन्होंने दुनिया के कई पुराने युद्धों को खत्म किया है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे बड़ी चुनौती बन गया। इस डिनर में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य और अन्य वरिष्ठ मेहमान मौजूद थे। पुतिन के साथ अच्छी बातचीत, लेकिन... ट्रंप ने आगे कहा कि मैंने सोचा था रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे आसान होगा, क्योंकि मेरी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अच्छे संबध है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह सबसे मुश्किल निकला।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में कि एक युद्ध जो 31 साल से चल रहा था, 2 घंटे में खत्म हुआ, दूसरा 35 साल, और तीसरा 37 साल पुराना संघर्ष भी उन्होंने सुलझा लिया। चुनावी वादा 24 घंटे में युद्ध खत्म करने का दावा बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे सत्ता में आते ही 24 घंटे में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे, लेकिन अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। अगस्त में हुई अलास्का शिखर बैठक को उन्होंने उत्पादक बताया, लेकिन कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ। ट्रंप का भरोसा बरकरार इस दौरान ट्रंप ने ये भी कहा कि लोगों ने कहा था कि ये युद्ध खत्म नहीं हो सकते, लेकिन मैंने उन्हें खत्म किया। रूस और यूक्रेन वाला कठिन है, पर हम इसे भी हल करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को ट्रंप ने अपने युद्ध रोकने के पहले के दावे में बदलाव करते हुए कहा कि उन्होंने सात नहीं, तीन युद्ध रोके हैं।

ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस लिया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस ले लिया है। अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पिरो के कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जिला अदालत में नथाली रोज जोन्स के मामले को खारिज करने के अनुरोध से पहले एक ग्रैंड जूरी ने उन पर अभियोग लगाने से इनकार कर दिया था। पिरो के कार्यालय द्वारा बताया गया है कि जोन्स के खिलाफ मामला खारिज करना न्याय के हित में है, लेकिन इसमें विस्तार से कुछ नहीं कहा गया है।

इंडियाना के लाफायेट की 50 वर्षीय जोन्स को 16 अगस्त को वाशिंगटन में सोशल मीडिया पर और सीक्रेट सर्विस एजेंटों के साथ एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभियोजकों ने कहा कि जोन्स ने 6 अगस्त को फेसबुक पर एक संदेश पोस्ट किया था कि 'वह इस राष्ट्रपति का पेट फाड़कर और उनकी सांस नली को काटकर उन्हें मारने को तैयार हैं।'

अभियोजकों के अनुसार, जब सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने 15 अगस्त को उससे पूछताछ की, तो जोन्स ने कहा कि 'वह ट्रंप को शांतिपूर्वक पद से हटाना चाहती हैं, लेकिन अगर मुझे ऐसा करना पड़ा तो मैं उन्हें परिसर में ही मार डालूंगी'। जोन्स को एक दिन बाद वाशिंगटन में गिरफ्तार कर लिया गया, जहां वह व्हाइट हाउस के पास एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। जोन्स के वकील के अनुसार, जोन्स ने सीक्रेट सर्विस एजेंटों से बार-बार कहा कि उनका किसी को नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था, उनके पास कोई हथियार नहीं था और वह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए वाशिंगटन गई थीं।

हमारे यहां खालिस्तानी संगठनों को मिल रही आर्थिक मदद, अपनी ही रिपोर्ट ने खोली कनाडा की पोल

ओटावा, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकियों की फंडिंग को लेकर कनाडा सरकार की अपनी ही नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि खालिस्तानी हिंसक उग्रवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन समेत कई आतंकी संगठनों को कनाडा से आर्थिक सहायता मिल रही है। यह जानकारी हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट 2025 असेसमेंट ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क्स इन कनाडा में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में आपराधिक संहिता के अंतर्गत सूचीबद्ध कुछ आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिजबुल्लाह और खालिस्तानी चरमपंथी संगठन, राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद श्रेणी में आते हैं और इन्हें कनाडा से वित्तीय सहयोग प्राप्त होता रहा है।

खालिस्तानी नेटवर्क और फंडिंग के तरीके : रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी संगठन भारत के पंजाब में स्वतंत्र राज्य बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन्हें कनाडा समेत विभिन्न देशों में मौजूद समर्थकों से धन जुटाने में मदद मिलती है। रिपोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि पहले कनाडा में इनका बड़ा फंडिंग नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन अब यह ऐसे छोटे-छोटे समूहों और व्यक्तियों के माध्यम से संचालित हो रहा है, जिनकी निष्ठा खालिस्तान आंदोलन के प्रति है, भले ही वे किसी विशेष संगठन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े न हों। एनपीओ और चैरिटेबल संगठनों के जरिए धन जुटाना जांच में पाया गया है कि इन आतंकी संगठनों ने धन जुटाने के लिए गैर-लाभकारी संस्थाओं (एनपीओएस) और चैरिटेबल संगठनों का भी इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास और हिजबुल्लाह लंबे समय से चैरिटेबल और एनपीओ सेक्टर के दुरुपयोग के लिए कुख्यात रहे हैं। इसी तरह खालिस्तानी चरमपंथी संगठनों ने भी प्रवासी समुदायों से चंदा के जरिए धन इकट्ठा करने और उसे ट्रांसफर करने के लिए ऐसे नेटवर्क का सहारा लिया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कनाडा में अधिकांश एनपीओएस में मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग का खतरा शून्य है, लेकिन कुछ संस्थाओं के मामले में यह जोखिम अधिक हो सकता है। भारत-कनाडा संबंध खालिस्तानी उग्रवाद का उल्लेख ऐसे समय पर हुआ है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिल रहा है। मार्क कार्नी की सरकार के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों ने हाल ही में एक-दूसरे के लिए नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति की है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में रिश्ते गहरे संकट में आ गए थे, जब उन्होंने भारत पर कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संलिप्त होने का आरोप लगाया था। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच कई उच्च-स्तरीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया था। नई रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्व अब भी प्रवासी सिख समुदाय और गैर-लाभकारी संगठनों के जरिए अपनी गतिविधियों को जारी रखे हुए हैं।

इजरायल ने बदली रणनीति; गाजा शहर की ऊंची इमारत को बनाया निशाना, आगे और हमलों की धमकी

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने हमास के खिलाफ अपना सैन्य अभियान एक बार फिर से तेज कर दिया है। इजरायली सेना ने गाजा शहर में एक ऊंची इमारत पर हमला किया। फिलिस्तीनियों ने बताया कि शुक्रवार को हुए हमले में रिमल स्थित मुश्ताहा टावर को निशाना बनाया गया। गाजा सिटी निवासी अहमद अल-बोआरी ने कहा कि शहर के अन्य हिस्सों में इजरायली हमलों के कारण भाग रहे लोगों ने इस इमारत में और इसके आसपास शरण ली थी। सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों में आसपास बड़ी संख्या में तंबू दिखाई दे रहे हैं। हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। सेना ने हमास चरमपंथियों पर शहर में अन्य ऊंची

इमारतों का उपयोग निगरानी और योजनाबद्ध घात लगाने के लिए करने का आरोप लगाया। इसने कहा कि वह आने वाले दिनों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर सटीक और टारगेटेड हमले करेगी। इजरायल ने कहा कि उसने इमारत पर इसलिए हमला किया कि हमास इसका इस्तेमाल निगरानी के लिए करता था। शुक्रवार के हमले से पहले ली गई इमारत की तस्वीरों से पता चला कि इसकी छत पहले के हमलों से पहले ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। शहर के कुछ हिस्सों को पहले ही रेड जोन माना जा चुका है, जहां फिलिस्तीनियों को संभावित भीषण लड़ाई से पहले ही खाली करने का आदेश दिया गया है। आक्रमण को और बढ़ाने की तैयारी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा में अन्य स्थानों पर हमले में कम से कम 27 लोग मारे गए हैं। इजरायल ने हजारों रिजर्व सैनिकों को जुटाना शुरू कर दिया है। सेना अपने आक्रमण को बढ़ाने की योजना के तहत निकासी की चेतावनियां दोहरा रही है, जिसे लेकर घरेलू स्तर पर विरोध और विदेशों में निंदा हो रही है। शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि इजरायली हमलों में 27 लोग मारे गए, जिनमें एक ही परिवार के छह सदस्य शामिल हैं। चरमपंथियों को निशाना बनाने का दावा इजरायली सेना का कहना है कि वह केवल चरमपंथियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौतों के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया।

इमरान खान से मिलने अदियाला जेल पहुंचीं बहन अलीमा पर फेंके अंडे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर गर्माहट का माहौल है। कारण है कि शुक्रवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान पर अंडा फेंकने की घटना सामने आई। ये घटना तब हुई जब अलीमा रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। अडियाल जेल में पिछले दो साल से इमरान खान कैद हैं। अलीमा पर अंडे फेंकने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अलीमा को अंडा मारा गया। इसके बाद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रहा है। फलस्वरूप पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने अंडा फेंकने के आरोप में दो महिलाओं को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में क्या कहना है पुलिस का? वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर पुलिस की प्रतिक्रिया की बात करें तो रावलपिंडी पुलिस के बयान के अनुसार, गिरफ्तार की गई दोनों महिलाएं भी पीटीआई समर्थक हैं। वे ऑल-गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ग्रैंड एलायंस के अन्य सदस्यों के साथ अपने मांगों को लेकर प्रदर्शन करने आई थीं। पुलिस का कहना है कि

अलीमा से पूछे गए सवालों का जवाब न मिलने पर उन्होंने अंडा फेंका। दूसरी ओर पीटीआई ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए आरोप लगाया कि यह एक राजनीतिक साजिश थी। पार्टी का दावा है कि इन महिलाओं को जानबूझकर वहां भेजा गया और पुलिस ने उन्हें बच निकलने में मदद की। इस घटनाक्रम से राजनीति में बयानबाजी तेज इस घटना के बाद पाकिस्तान भर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। ऐसे में बीएनपी मेंगल प्रमुख अख्तर मेंगल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दुश्मनी में भी महिलाओं की इज्जत होनी चाहिए। यह राजनीति का सबसे घटिया रूप है। फेडरल डेवेलपमेंट मिनिस्टर अहसन इकबाल ने कहा कि राजनीति विचारों की होनी चाहिए, न कि नफरत और हिंसा की। इसके साथ ही पीएमएल एन के नेता साद रफीक ने घटना को घिनौना और निंदनीय बताया।

हंगरी ने रूसी तेल खरीद का बचाव किया, यूरोपीय संघ के देशों पर चोरी-छिपे आयात का आरोप लगाया

बुडापेस्ट, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर हंगरी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश और व्यापार मंत्री पीटर सिजार्तो ने कहा है कि हंगरी खुले तौर पर रूसी तेल खरीदता है क्योंकि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ अन्य यूरोपीय देश गुपचुप तरीके से बिचौलियों के जरिए सस्ती कीमतों पर तेल आयात कर रहे हैं।पीटर सिजार्तो ने शुक्रवार को हंगरी-अजरबैजान संयुक्त आर्थिक समिति की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें पाखंडियों के बहकावे में नहीं आना चाहिए, क्योंकि जो लोग हंगरी और स्लोवाकिया पर तेल खरीद को लेकर सबसे ज्यादा चिल्लाते हैं, उनमें से एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है, जो कुछ एशियाई देशों के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल खरीदते हैं। मंत्री ने आगे कहा, हंगरी सप्लाई सिक्योरिटी मामले में रूस के साथ सहयोग करता है। यूरोपीय संघ ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप में गैस पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाने में मदद करने का हमारा अनुरोध अस्वीकार कर दिया था। क्रोएशिया ने हमारे लिए एक वैकल्पिक पाइपलाइन की क्षमता नहीं बढ़ाई, बल्कि उस मार्ग पर ट्रांजिट शुल्क यूरोपीय मानकों से 5 गुना बढ़ाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जब उनसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने यूरोपीय देशों से रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए कहा था, तो मंत्री ने इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हंगरी और स्लोवाकिया की खरीदारी की आलोचना करने वाले खुद भी अप्रत्यक्ष चैनलों के

माध्यम से इसी तरह के लेनदेन में शामिल हैं। पीटर सिजार्तो ने कहा, वे ऐसा सस्ता तेल खरीदने के लिए करते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं कि उन्हें सस्ता तेल मिल सके। वे गुप्त रूप से रूसी तेल खरीदते हैं क्योंकि यह सस्ता है। हम रूसी तेल खुलकर खरीदते हैं क्योंकि हमारे पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। सिजार्तो ने कहा कि हंगरी की ऊर्जा आपूर्ति भौतिक बुनियादी ढांचे पर निर्भर करती है, क्योंकि तेल और गैस सिर्फ मौजूदा पाइपलाइनों के माध्यम से ही पहुंचाए जा सकते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि यूरोपीय संघ ने दक्षिण-पूर्व यूरोपीय पाइपलाइन क्षमताओं के विस्तार के लिए हंगरी के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जबकि हंगरी के दक्षिणी पड़ोसी क्रोएशिया ने वैकल्पिक मार्ग पर क्षमता बढ़ाने के बजाय ट्रांजिट शुल्क बढ़ाया। इससे पहले, विदेश और व्यापार मंत्री पीटर सिजार्तो ने घोषणा की थी कि बुडापेस्ट यूक्रेन के यूरोपीय संघ सदस्यता की राह पर पहली क्लस्टर वार्ता शुरू करने का समर्थन नहीं करेगा। 4 सितंबर को यह बात सामने आई कि एक वर्चुअल मीटिंग में ट्रंप ने यूक्रेन और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के नेताओं से कहा था कि यूरोप रूसी तेल खरीदकर इस युद्ध के लिए पैसे दे रहा है। अमेरिका ने यूरोपीय यूनियन से रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने का आग्रह किया। अमेरिका ने यह भी कहा कि पिछले साल रूस को ईंधन बेचने से ईयू से लगभग 1.1 बिलियन यूरो मिले थे। रीपावरईयू के तहत, यूरोपियन कमीशन ने 2027 तक रूसी गैस और तेल पर अपनी निर्भरता कम करने और आपूर्ति के स्रोतों को पूरी तरह से अलग-अलग करने का फैसला किया है। हालांकि, स्लोवाकिया और हंगरी ने रीपावरईयू योजना का विरोध किया है। दरअसल, जुलाई 2025 में स्लोवाकिया ने रीपावरईयू के माध्यम से रूस के खिलाफ यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज को रोक दिया था, यह कहते हुए कि इससे देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को खतरा है।

पाकिस्तान-चीन ने शुरू किया सीपीईसी का दूसरा चरण

बीजिंग , एजेंसी। पाकिस्तान और चीन ने विवादित चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत की और 21 समझौतों व संयुक्त उपक्रमों पर हस्ताक्षर किए। इनकी कुल कीमत करीब 8.5 अरब डॉलर है। ये समझौते बृहस्पतिवार को बीजिंग में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग के बीच हुई बैठक और निवेशक सम्मेलन के दौरान हुए। भारत लंबे समय से सीपीईसी का विरोध करता आया है, क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हजीरा समुद्र तट पर दूसरे दिन भी जारी रहा विसर्जन

सूरत में एक लाख से अधिक गणेशजी की प्रतिमाओं का विसर्जन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

10 दिनों की रौनक, देवाधिदेव की पूजा-अर्चना, दर्शन के लिए भीड़ और धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों की होड़ के बाद शनिवार को विघ्नहर्ता गणेशजी भक्तों के बीच से विदा हुए। सुबह से ही बारिश का माहौल, कहीं झमाझम तो कहीं रिमझिम फुहारों के बीच गणेशजी का वाजते-गाजते विसर्जन हुआ। 10 दिनों की आगवानी के बाद विदाई की घड़ी में भावुक भक्तों की आंखें नम हो गईं। घर-आंगन के कुंड, टब, टंकी में और जगह-जगह बनाए गए 21 कृत्रिम तालाबों के अलावा हजीरा, डुमस, मगदल्ला के प्राकृतिक घाटों पर कुल 1 लाख प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। हालांकि आज रविवार को भी हजीरा समुद्र तट पर 25 फुट से ऊंची प्रतिमाओं का विसर्जन जारी है। हजीरा रोड पर अब भी आधा किलोमीटर लंबी मूर्तियों की कतार बनी हुई है।

दूसरे दिन भी बप्पा के विसर्जन के लिए लगी कतार हजीरा, मगदल्ला, डुमस के घाटों और पालिका द्वारा बनाए गए 21 कृत्रिम तालाबों पर सुबह से ही विसर्जन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। मार्गों और घाटों पर 13,500 पुलिस जवानों और हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में छोटी-बड़ी विसर्जन यात्राएं निकलीं। शहर में केवल मुख्य मार्ग ही नहीं, बल्कि पाल, पीपलौद, रिंग रोड, जहांगीरपुरा, अडाजन, अडाजन पाटिया, जहांगीराबाद समेत कई इलाकों में बप्पा की अंतिम झलक के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ढोल-नगाड़ों और धार्मिक-फिल्मी गीतों की धुन पर निकली विसर्जन यात्रा में हर उम्र के लोग शामिल हुए। कहीं लेजिम की ताल पर भक्त झूम उठे तो कई गणेश मंडलों में महिला-पुरुष ड्रेस कोड में नजर आए। ''गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ'' के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। पिछले वर्ष भी 2 दिन चला था विसर्जन 15, 20, 25 फुट ऊंची विशाल प्रतिमाएं 30 से 35 किलोमीटर का सफर तय कर हजीरा घाट पर पहुंचीं। हजीरा बोट प्वाइंट घाट पर 6 से लेकर 25 फुट ऊंची प्रतिमाओं का विसर्जन हो रहा है, जिससे भारी भीड़ उमड़ी। यहां 12 क्रेन, 12 फोर्कलिफ्ट, 9 गैस कटर और 600 स्वयंसेवकों की टीम तैनात है। पिछले साल इस घाट पर 3,600 प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ था और प्रक्रिया दूसरे दिन सुबह 10 बजे तक चली थी। इस वर्ष भी संभावना है कि विसर्जन का काम दोपहर बाद पूरा होगा।

"कीचड़ में बप्पा का विसर्जन, धर्म और श्रद्धा का अपमान"

डिंडोली-खरवासा क्षेत्र की नहरों से अधविसर्जित 3000 से अधिक गणेशजी की प्रतिमाओं का श्रद्धापूर्वक पुन:विसर्जन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सांस्कृतिक रक्षा समिति द्वारा संचालित श्री माधव गौशाला के 200 से अधिक गौसेवकों ने डिंडोली व खरवासा क्षेत्र की नहरों से बह रही/अधविसर्जित की गई 3000 से अधिक गणेश प्रतिमाओं को हजीरा समुद्र तट पर विधिवत पुन:विसर्जित किया।

सांस्कृतिक रक्षा समिति संचालित श्री माधव गौशाला के अध्यक्ष आशीष सूर्यवंशी ने बताया कि उधना क्षेत्र में स्थित गौशाला के उधना, पांडेसरा, बमरोली और डिंडोली क्षेत्रों के 200 से अधिक गौसेवकों द्वारा श्री गणेशजी की अधविसर्जित पीओपी निर्मित 3000 से अधिक मूर्तियों को डिंडोली और खरवासा नहरों से एकत्रित कर हजीरा तट पर पुन:विसर्जित किया गया।

पिछले 9 वर्षों से भक्तों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संस्था लगातार नगरजनों से अपील करती आ रही है कि किसी भी देवी-देवता की प्रतिमाओं की स्थापना के पश्चात उनका विधिपूर्वक विसर्जन किया जाए, न कि उन्हें नहरों या सुनसान स्थानों पर फेंक कर जाया जाए। इस विषय में संस्था द्वारा नगर निगम आयुक्त एवं पुलिस विभाग को बार-बार अवगत कराया गया है और उनके द्वारा भी इस प्रकार की घटनाओं को रोकने हेतु नहर वाले क्षेत्रों में विसर्जन के दिनों में पुलिस बंदोबस्त रखा जाता है। फिर भी कुछ गणेश भक्त अवसर का लाभ उठाकर प्रतिमाओं का अनुचित विसर्जन कर जाते हैं।

संस्था सभी भक्तों से अपील करती है कि इस प्रकार के विसर्जन से आपकी भक्ति का कोई लाभ नहीं होता, बल्कि आप पाप के भागी बनते हैं और धर्म की बदनामी करते हैं। अत: मिट्टी से बनी छोटी प्रतिमाओं का ही प्रयोग करें और उन्हें घर-आंगन में या समुद्र में विधिपूर्वक विसर्जित कर प्रकृति और धर्म रक्षा के कार्य में सहभागी बनें।

सूरत निगम ने विसर्जन के त्योहार को बनाया महिलाओं के रोज़गार का अवसर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के यूसीडी विभाग ने गणेश विसर्जन के त्योहार को महिलाओं के रोज़गार का त्योहार बना दिया है। गणेश विसर्जन के दौरान निगम द्वारा बनाए गए कृत्रिम तालाबों के बाहर स्वरोज़गार करने वाली महिलाओं के स्टॉल लगाए गए थे। यहां गणेशजी के वस्त्र और आभूषण इस तरह निकाले जाते हैं कि लोगों की भावनाएं आहत न हों। बाद में महिलाएं इनका उपयोग नवरात्रि के ड्रेस या अन्य जगहों पर करके रोज़गार कमा रही हैं।

सूरत शहर में गणेशोत्सव के बाद विसर्जन के लिए निगम ने 9 ज़ोन में 20 कृत्रिम तालाब बनाए, जहां 5 फीट तक की प्रतिमाओं का विसर्जन होता है। सूरत पालिका के यूसीडी विभाग द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने इन कृत्रिम तालाबों पर मूर्तियों से आभूषण और वस्त्र अलग किए। स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं गणेश प्रतिमाओं के साथ आए डेकोरेशन और अन्य सामान, जो विसर्जन के बाद बेकार हो जाते हैं, इकट्ठा करती हैं। इन आभूषणों और वस्त्रों को दोबारा उपयोग कर पर्यावरण की रक्षा की जाती है।

इकट्ठी की गई इन सामग्रियों से सखी मंडल द्वारा तोरण, चणिया-चोली, विभिन्न आभूषण और गृह सजावट की वस्तुएं बनाई जाती हैं। पिछले कुछ वर्षों से निगम ऐसी महिलाओं को रोज़गार उपलब्ध कराने के लिए नवरात्रि से पहले "सखी मेला" आयोजित करता है, जिसमें इस तरह बने पारंपरिक कपड़ों की डिमांड लगातार बढ़ रही है। इस "वेस्ट से बेस्ट" सोच से तैयार वस्तुओं की बिक्री होती है, जिससे महिलाओं को रोज़गार का अवसर मिलता है।

इन आभूषणों, वस्त्रों और कपड़ों का उपयोग कर महिलाएं अपनी रचनात्मकता से नवरात्रि के लिए ड्रेस और गहने तैयार करती हैं। पहली नज़र में यह बिल्कुल पता नहीं चलता कि ये रियूज़ की हुई वस्तुओं से बने हैं। इस तरह महिलाएं कम लागत में नवरात्रि के ड्रेस तैयार कर सस्ते दामों पर बेचती हैं। पिछले साल से ही इन महिलाओं को नवरात्रि मेले में रोज़गार मिलने लगा है। यूसीडी विभाग की इस अनोखी पहल से महिलाएं मुफ्त में सामग्री पाती हैं और उससे रोज़गार भी अर्जित कर रही हैं।

सूरत में GPSC परीक्षा 31 केंद्रों पर 7,505 उम्मीदवारों ने दी

नायब मामलतदार और सेक्शन अधिकारी वर्ग-3 की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में पूरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात लोक सेवा आयोग (GPSC) द्वारा रविवार को सूरत सहित राज्यभर में नायब मामलतदार और नायब सेक्शन अधिकारी वर्ग-3 (दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए विशेष भर्ती) की प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई। सूरत में 31 परीक्षा केंद्रों से कुल 7,505 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी।

केंद्रों के आसपास कड़ा पुलिस बंदोबस्त किया गया था

परीक्षा का प्रश्नपत्र-1 सामान्य अध्ययन विषय पर आधारित था और इसका समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक रखा गया था। उम्मीदवार समय पर परीक्षा स्थल पर पहुंच सकें, इसके लिए एक घंटे पहले से ही परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश दिया गया था। केंद्रों के आसपास कड़ा पुलिस बंदोबस्त किया गया था। साथ ही मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स या प्रतिबंधित वस्तुएं लाने पर पूरी तरह रोक थी।

31 परीक्षा केंद्रों पर 7,505 उम्मीदवारों ने दी परीक्षा

सूरत शहर में कुल 31 परीक्षा केंद्रों के 313 कक्षों में 7,505 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। परीक्षा सुबह 11 से 1 बजे तक आयोजित हुई और प्रश्नपत्र-1 सामान्य अध्ययन पर आधारित रहा, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उम्मीदवारों ने बताया कि उन्होंने बहुत अच्छी तरह से परीक्षा दी और पेपर भी आसान रहा। दिव्यांगों के लिए बनाए गए केंद्रों पर व्हीलचेयर और लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें काफ़ी सहूलियत मिली।

सोसायटी में किया गणपति विसर्जन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसु स्थित नंदिनी-1 सोसायटी में शनिवार को गणपति का विसर्जन सोसायटी प्रांगण में किया गया। गणेशजी की आरती के पश्चात बैंड बजे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। इस मौके पर सोसायटी के अनेकों लोग उपस्थित रहें। इसी के साथ पिछले दस दिन से चल रहे गणपति महोत्सव का समापन भी हुआ। दस दिन चले गणपति महोत्सव में डांस, हाउजी, फैंसी ड्रेस सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

AKAS ने मनाया डायमंड जुबली वर्ष, "क्यों एजेंट फेल हो जाते हैं?" बुक का विमोचन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। शहर के कपड़ा व्यापारियों के लिए रविवार का दिन इतिहास रहा। आढ़तिया कपड़ा एसोसिएशन (AKAS) ने अपनी 60 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को डायमंड जुबली वर्ष के रूप में मनाते हुए वार्षिक महासभा का भव्य आयोजन किया। यह समारोह महाराजा अग्रसेन वृंदावन हॉल में संपन्न हुआ, जिसमें 500 से अधिक व्यापारी एवं शहर के प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया।

समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रहलाद अग्रवाल ने लेखक पंकज अग्रवाल की पुस्तक "क्यों एजेंट फेल हो जाते हैं?" का लोकार्पण किया। यह पुस्तक व्यापार जगत में एजेंटों की असफलता के कारणों और चुनौतियों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

सचिव महेश जैन ने बीते वर्ष की गतिविधियों का विवरण रखा, जबकि कोषाध्यक्ष झाबरमल गोयल ने आर्थिक रिपोर्ट पेश की। इस दौरान चुनाव प्रक्रिया पूर्ण कर 11 माननीय सदस्यों को प्रेक्षक बजरंग अग्रवाल की उपस्थिति में शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में एक विशेष टॉक शो का आयोजन भी हुआ, जिसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञों और व्यापार से जुड़े दिग्गजों ने अपने अनुभव साझा किए। समारोह का समापन स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थितजनों ने सहभागी बनकर उत्सव को यादगार बनाया।

AKAS की यह डायमंड जुबली एजीएम न केवल एक औपचारिक सभा रही, बल्कि यह सूरत के व्यापारी समाज के लिए गर्व का अध्याय बन गई। अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ,राकेश कंसलएवं उनके पदाधिकारी, अग्रवाल विद्या विहार के अध्यक्ष संजय सरावगी, भूतपूर्व अध्यक्ष सुभाष बंसल, रूंगटा बिल्डर के चेयरमैन अनिल रूंगटा, स्त्नङ्गञ्ज के चेयरमैन सुनील जैन अध्यक्ष सचिन अग्रवाल, मंत्री मोहन अरोरा अन्य पदाधिकारी, श्वङ्ग त्रस्ज्ञ कमिश्नर अशोक सिंह, चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष अशोक जीरावाला, आदर्श रामलीला के अध्यक्ष रतन गोयल, सेवा हॉस्पिटल के अध्यक्ष अशोक गोयल FOS-TTA के पूर्व अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, देव किशन, सूरत टेक्सटाइल मार्केट के अध्यक्ष हरबंश अरोरा, गुरुनानक हॉस्पिटल के अध्यक्ष गोविंद, ट्रांसपोर्ट लेबर यूनियन अध्यक्ष उमा शंकर मिश्र, अग्रवाल समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष रामप्रसाद अग्रवाल उर्फ कोकी, शांतम के संस्थापक विनोद अग्रवाल, जापान मार्केट के अध्यक्ष ललित शर्मा, राजस्थान राजपूत समाज के अध्यक्ष विक्रम सिंह शेखावत, बोनारो वस्त्र उत्सव के चेयरमैन भरत, अजमेरा फैशन से अजय अजमेरा, कानपुर नौघरा कमेटी के उपाध्यक्ष विजय अग्रवाल, मिल टेंपो एसोसिएशन के प्रमुख राजेंद्र उपाध्याय एवं अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित रहें।

मरौली चार रास्ता पर डंपर की टक्कर से दो युवकों की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी से साचिन की ओर नौकरी पर जा रहे दो युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई है। मरौली चार रास्ता पर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। नवसारी के बंदर रोड पर रहने वाले 27 वर्षीय जुबेर शेख और जलालपुर के लीमडा चौक क्षेत्र के 31 वर्षीय प्रदीप डेडानिया साचिन की कंपनी में नौकरी करते थे। दोनों दोस्त सुबह 7 बजे की शिफ्ट के लिए 5:30 बजे घर से निकले थे।

मरौली चार रास्ता पर डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मरौली पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर डंपर चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस डंपर चालक की तलाश कर रही है। दो होनहार युवकों की मौत से दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सूरत में मिल में ड्रम फटने के मामले में मृतकों की संख्या बढ़कर 5 हुई, मजदूरों के परिजनों का उग्र प्रदर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पलोंसाणा में 1 सितंबर की शाम संतोष टेक्सटाइल नामक मिल में बॉयलर का ड्रम फटने से भीषण आग लग गई थी। इस दुर्घटना में मिल में मौजूद श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिसमें 2 श्रमिकों की मौत हो गई थी और 15 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए थे। पूरी घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर अब 5 हो गई है, जबकि घायलों का इलाज जारी है। इस बीच मृतकों के परिजनों ने उधना में इकट्ठा होकर घटना के मामले में विरोध प्रदर्शन किया।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के पलोंसाणा में जोलवा की मिल में बॉयलर का ड्रम फटने से यह दुर्घटना हुई थी। पूरी घटना को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं मृतकों की संख्या 5 होने पर परिजन उधना में एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों का कहना है कि "दुर्घटना में मिल प्रबंधन की घोर लापरवाही जिम्मेदार है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।"

सूरत के पलोंसाणा में 1 सितंबर को संतोष टेक्सटाइल नामक मिल में कामकाज के दौरान बॉयलर का ड्रम फट गया था। जिसके चलते मिल में भीषण आग लग गई थी। हादसे के बाद सूरत महानगर पालिका बारडोली फायर विभाग और 8 से 10 फायर फाइटरों की टीम मौके पर पहुंची थी और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया था। इस दौरान 2 श्रमिकों की मौत हो गई थी और 15 से अधिक घायल हो गए थे।